RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक

दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

वर्ष- 13, अंक - 300 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, बुधवार 17 अगस्त 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

संतान की दीर्घायु के लिए माताओं ने रखा कमरछठ का व्रत

- सगरी बनाकर की गई सामूहिक रूप से पूजा अर्चना
- पारम्परिक पूजन सामग्री खरीदने बाजार में उमड़ी भीड़

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। संतान की लंबी उम्र के लिए आज माताओं ने कमरछठ का व्रत रखा। कमर छठ की तैयारी करने सुबह से ही बाजार में खासी भीड़ रही। दोपहर बाद सगरी बनाकर माताओं ने सामूहिक रूप से पूजा अर्चना संपन्न किया। छह तरह की भाजियां, पसहर चावल, काशी के फूल, महुआ के पत्ते, धान की लाई, भैंस का दूध, दही और घी सहित पूजा की कई छोटी-बड़ी पूजन की सामाग्री भगवान शिव को अर्पित कर संतान के दीर्घायु जीवन की कामना की।

छत्तीसगढ़ के प्रमुख त्योहारों में से एक कमरछठ को हलछठ या हलषष्ठी भी कहा जाता है। बिहार में छठ की तर्ज पर इस व्रत को करने वाली माताएं निर्जला रहकर शिव-पार्वती की पूजा करती हैं। सगरी बनाकर सारी रस्में निभाया गया। इस मौके पर कमरछठ की कहानी सुनकर शाम को डूबते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद अपना व्रत खोलेंगी।

कमरछठ की पूजा के लिए महिलाओं ने गली-मोहल्ले में मिलकर प्रतीक स्वरूप दो सगरी(तालाब) के साथ मिट्टी की नाव बनाई और फूल-पत्तों से सगरी को सजाकर वहां महादेव व पार्वती की पूजा की। दिनभर निर्जला रहकर शाम को सूर्य डूबने के बाद व्रत खोलेंगी। भिलाई-3 निवासी पिंकी साहू, कल्पना देवांगन, रेखा वर्मा ने बताया कि यह व्रत संतान प्राप्ति के लिए भी किया जाता है। बिहार में जिस तरह छठ मईया की पूजा होती है उसी तरह छत्तीसगढ़ में कमरछठ का महत्व है जो संतान प्राप्ति और संतान की लंबी उम्र के लिए किया जाता है।

बिना हल चली चीजों का महत्व

छत्तीसगढ़ छत्तीस तरह की भाजियों के लिए प्रसिद्ध है। कमरछठ में भी भाजियों का अपना महत्व है। इस व्रत में छह तरह की ऐसी भाजियों का उपयोग किया जाता है। जिसमें हल का उपयोग ना किया हो। बाजार में भी लोग अलग-अलग तरह की छह भाजियां लेकर पहुंचे। जिसमें चरोटा भाजी, खट्टा भाजी, चेंच भाजी, मुनगा भाजी, कुम्हड़ा भाजी, लाल भाजी, चौलाई भाजी शामिल है।

पसहर चांवल का विशेष महत्व

पसहर चावल बिना हल के ही खेतों में पैदा होता है। हलषष्ठी के पर्व पर इस चावल की मांग अधिक होती है। माना जाता है कि इस चावल से ही व्रत तोड़ने की सदियों पुरानी परंपरा है। जानकारी के मुताबिक हलषष्ठी देवी को धरती का स्वरूप माना जाता है। इसलिए इस दिन हल चले जमीन पर माताएं नहीं चलतीं और हल से जोती हुई जमीन से उपार्जित अन्न् का उपयोग नहीं करती हैं। इसलिए ऐसी सामग्री जो स्वमेव ही पैदा हुई होती हैं उनकी मांग इस दिन बढ़ जाती है।

खास खबर...

रेवड़ी कल्चर पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी, राजनीतिक दलों को वादा करने से नहीं रोक सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजनीतक दलों के मुफ्त चुनावी वादों (रेवड़ी कल्चर) पर सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा है कि राजनीतिक दलों को लोगों से वादा करने से नहीं रोका जा सकता। सवाल इस बात का है कि सरकारी धन का किस तरह से इस्तेमाल किया जाए।

सुप्रीम अदालत ने इस मामले की सुनवाई सोमवार तक के लिए टाल दी है। कोर्ट ने कहा है कि सभी पक्ष इस मामले में कमिटी के गठन पर शनिवार तक अपने सुझाव दें। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर चुनाव में मुफ्त की योजनाओं की घोषणा पर रोक की मांग की गई थी। इस पर आज सुनवाई हुई।

मुख्यमंत्री ने हलषष्ठी (कमरछट) की दी शुभकामनाएं

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेशवासियों विशेषकर सभी माताओं को हलषष्ठी (कमरछट) की बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा है कि भगवान श्री कृष्ण के बड़े भाई बलरामजी के जन्मोत्सव के रूप में हलषष्ठी मनाई जाती है। छत्तीसगढ़ में यह त्यौहार कमरछठ के नाम से मनाया जाता है। इस दिन घरों और मंदिरों में तालाब के प्रतिरूप स्वरूप सगरी बनाई जाती है।

महिलाएं इकट्ठा होकर पसहर चावल, काशी फूल, महुआ पत्ते, लाई अर्पित कर भगवान शिव और सगरी की पूजा-अर्चना करती हैं। इस दिन महिलाएं व्रत रखकर अपने बच्चों के स्वास्थ्य, लंबी उम्र और समृद्धि के लिए प्रार्थना करती हैं। मुख्यमंत्री ने कामना की है कि सभी माताओं की कामना पूरी हो, सभी बच्चे स्वस्थ और खुशहाल रहें।

'बस्तर फाइटर्स' के लिए चुने गए 2100 कांस्टेबल में नौ ट्रांसजेंडर आईजी सुंदरराज ने दी बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। छत्तीसगढ़ के माओवाद प्रभावित बस्तर जिले में नक्सलियों से निपटने के लिए राज्य पुलिस ने एक नई विशेष इकाई गठित की है। इस विशेष इकाई को 'बस्तर फाइटर्स' नाम दिया गया है। 'बस्तर फाइटर्स' में 2100 कांस्टेबल चुने गए हैं जिनमें नौ ट्रांसजेंडर भी शामिल हैं, इन्हें बस्तर डिवीजन में तैनात किया जाएगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

राज्य पुलिस ने पहली बार बस्तर रेंज में तैनाती के लिए ट्रांसजेंडर की भर्ती की है। पुलिस का मानना है कि ये लोग आदिवासी बहुल क्षेत्र में पुलिस व्यवस्था में नया आयाम जोड़ेंगे। पुलिस महानिरीक्षक (बस्तर रेंज) सुंदरराज पी ने चयन पर इन लोगों को बधाई दी। उन्होंने बताया कि ट्रांसजेंडर समुदाय से चयनित नौ लोगों में आठ कांकेर के हैं और एक बस्तर जिले से है।

आईजीपी ने कहा कि हम थर्ड जेंडर पुलिसकर्मियों को काम के लिए अनुकूल माहौल और सुविधाएं मुहैया कराने की कोशिश करेंगे, ताकि उन्हें फोर्स के भीतर किसी तरह का भेदभाव महसूस न हो। आईपीएस अधिकारी ने कहा कि उन्हें ड्यूटी में शामिल होने से पहले पुलिस प्रशिक्षण स्कूल माणा, रायपुर में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार ने स्थानीय युवाओं को विशेष रूप से भर्ती करने के लिए एक अलग बल 'बस्तर फाइटर्स' की स्थापना करने का निर्णय लिया था। इस बल में ऐसे लोगों को शामिल किया गया है, जो क्षेत्र की संस्कृति, भाषा, इलाके से परिचित हैं और आदिवासियों के साथ घुले-मिले हैं। यह बल नक्सल आंदोलन के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इस बल में भर्ती के लिए 2,100 पदों को मंजूरी दी गई थी। इसमें बस्तर, दंतेवाड़ा, कांकेर, बीजापुर, नारायणपुर, सुकमा और कोंडागांव-क्षेत्र के सात जिलों से 300-300 लोगों को शामिल किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि कांस्टेबलों के 2,100 पदों के लिए कुल 53,336 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 15,822 महिलाओं और 16 ट्रांसजेंडर उम्मीदवारों के थे।

आईजी सुंदरराज ने कहा कि शारीरिक और लिखित परीक्षा सहित भर्ती प्रक्रिया पूरी करने के बाद सोमवार को नौ ट्रांसजेंडर समेत 2100 कर्मियों की चयन सूची जारी की गई। उन्होंने कहा कि 'बस्तर फाइटर्स' की भर्ती ने क्षेत्र के युवाओं के लिए बस्तर की शांति और विकास में सक्रिय रूप से योगदान करने के लिए नए रास्ते खोले हैं। उन्होंने बताया भर्ती प्रक्रिया के दौरान, आंतरिक क्षेत्रों के चुनिंदा युवाओं पर विशेष ध्यान दिया गया था, ये पहले ही दुर्गमता, संचार और शैक्षिक सुविधाओं की कमी और ऐसी अन्य प्रतिकूल चुनौतियों का सामना कर चुके हैं।

आईजी सुंदरराज ने कहा कि सुरक्षा बलों के सदस्यों को आंतरिक वन क्षेत्र के लोगों के मुकाबले कई कठिनाइयों और चुनौतियों का सामना करना पड़ता है क्योंकि उन्हें स्थानीय भाषाओं के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं होती है। उन्होंने कहा कि 'बस्तर फाइटर्स' इस खाई को पाटने में मदद करेंगे। सुंदरराज ने कहा कि हमें उम्मीद है कि यह इकाई निकट भविष्य में बस्तर क्षेत्र में काफी सकारात्मकता लेकर आएगी।

कांग्रेस ने बनाई राजनीतिक मामलों की समिति सीएम बघेल-सिंहदेव भी बनाए गए सदस्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने मंगलवार को अपनी छत्तीसगढ़ इकाई में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और मंत्री टीएस सिंहदेव के सदस्यों वाली एक राजनीतिक मामलों की समिति का गठन किया है। पार्टी के एक बयान के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पैनल के गठन को मंजूरी दे दी है। एआईसीसी प्रभारी पीएल पुनिया, छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख मोहन मरकाम, ताम्रध्वज साहू, शिव कुमार डहरिया, अमरजीत भगत, सत्यनारायण शर्मा, धनेंद्र साहू और गिरीश देवांगन को भी सदस्य बनाया गया है।

महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस और एनएसयूआई के अध्यक्ष और सेवा दल के मुख्य आयोजक समिति के विशेष आमंत्रित सदस्य होंगे। बयान में कहा गया है कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) छत्तीसगढ़ के प्रभारी सचिव और राज्य के एआईसीसी सचिवों को पैनल के पदेन सदस्य के रूप में नामित किया गया है। एक अन्य बयान के अनुसार, पार्टी ने झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी की छह सदस्यीय अनुशासन समिति भी नियुक्त की है जिसके अध्यक्ष ब्रजेंद्र सिंह हैं।

सीएम भूपेश बघेल का पीएम मोदी पर हमला, कहा- कश्मीरी पंडितों को सुरक्षा देने में केंद्र सरकार नाकाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जम्मू-कश्मीर के शोपियां में कश्मीरी पंडित के एक व्यक्ति की हत्या पर केंद्र सरकार और भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वहां कश्मीरी पंडित सुरक्षित नहीं हैं। पहले भी कश्मीरी पंडित, कर्मचारी और दूसरे प्रदेशों से गए लोग जम्मू में आकर प्रदर्शन कर चुके हैं। केंद्र की मोदी सरकार उन्हें सुरक्षा नहीं दे पा रही है। उनकी सुरक्षा की फिर से समीक्षा की जानी चाहिए। वहां सभी नागरिक सुरक्षित रहे, कर्मचारी सुरक्षित रहें यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए। कश्मीर में जो घटना घटी है, उसकी मैं कड़ी निंदा करता हूं। इस प्रकार की घटना को रोका जाना चाहिए।

राज्य सरकार द्वारा 6 प्रतिशत डीए बढ़ाए जाने को नाकाफी बताते हुए केंद्र सरकार के समान डीए दिए जाने के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के बयान पर सीएम भूपेश बघेल ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि बहुत-बहुत धन्यवाद रमन सिंह को। मैं कहना चाहूंगा कि हमने कर्मचारियों के लिए ओपीएस (ओल्ड पेंशन स्कीम) लागू किया है। रमन जी भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं। मोदी सरकार को बोलकर पूरे देश में ओपीएस लागू करवाएं। छत्तीसगढ़ के कर्मचारियों का पैसा दिल्ली सरकार के पास जमा है, उसे वापस कराएं। छत्तीसगढ़ में वित्तीय स्थिति को देखकर 6 प्रतिशत डीए बढ़ाया गया है।

बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए गृहमंत्री मुश्तैद, दिल्ली में रहकर कर रहे सहायता

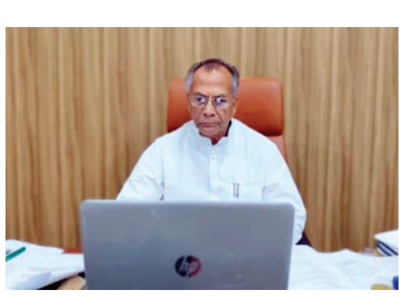

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जीवनदायिनी शिवनाथ नदी का रौद्र रूप तटीय इलाकों में तबाही मचा रहा है। बाढ़ से प्रभावित ग्रामीण परिवारों की मदद के लिए दिल्ली प्रवास में होने के बावजूद गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू सतत मॉनिटरिंग कर रहे हैं और प्रशासन व जनप्रतिनिधियों की सहायता से पीड़ितों को राहत पहुँचा रहे हैं।

इस दौरान विधायक ताम्रध्वज साहू ने दुर्ग ग्रामीण विधानसभा के अंतर्गत बाढ़ पीड़ित क्षेत्र के सरपंचों व जनप्रतिनिधियों से दूरभाष समस्याएं जानी तथा इसके समाधान के लिए मौके पर जिला कलेक्टर व प्रशासन के आला अधिकारियों से भी बात की।

मंत्री ताम्रध्वज साहू बाढ़ पीड़ित क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों से दूरभाष पर हालचाल जान रहे हैं। स्वास्थ्य अमला भी ग्राम चंगोरी ,भोथली, खाड़ा रुदा ,बिरेझर, आल बरस सहित अन्य ग्रामों स्वास्थ्य शिविर लगा रहे हैं तथा बीमारों का समुचित इलाज किया जा रहा है।

बारिश बन्द होने के बाद भी कुछ जलाशयों से अतिरिक्त पानी को छोड़ा गया, इसके चलते शिवनाथ नदी खतरे के निशान से ऊपर बहने लगी। तटीय रहवासी क्षेत्रों में पानी घुस गया। जलभराव से दर्जनों परिवार मुसीबत में पड़ गए। किंतु गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने संवेदनशीलता दिखाते हुए बाढ़ पीड़ितों की लगातार सुध ले रहे है। भोजन, आवास, चिकित्सा आदि की समुचित व्यवस्था करा रहे है। गृहमंत्री के निर्देश पर जिला प्रशासन व आपदा प्रबंधन टीम भी हाई अलर्ट पर मुश्तैद है। बहरहाल अब बाढ़ का पानी धीरे धीरे उतर रहा है। आगामी दो दिनों में हालात सामान्य होने की उम्मीद है।

बारिश के बाद बांधों से छोड़ा पानी, महानदी और शिवनाथ नदी से निचले इलाकों में बिगड़े हालात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के दक्षिण और मध्य क्षेत्रों में बारिश ने कहर मचा दिया है। भारी बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं। बाढ़ का पानी रिहायशी इलाकों तक पहुंच गया है। धमतरी जिले के गंगरेल बांध से पानी छोड़े जाने के कारण महानदी उफान पर है। वहीं शिवनाथ नदी भी अपना रौद्र रूप दिखा रही है। बस्तर में इंद्रावती नदी सहित कई नदियों में बाढ़ की स्थिति है। बिलासपुर संभाग में भी अच्छी बारिश हुई। महानदी व शिवनाथ नदी में बांधों से हजारों क्यूसेक पानी छोड़ा गया है, जिससे डाउनस्ट्रीम के जिलों में बाढ़ के हालात हैं। निचले इलाकों में हालात बिगड़ गए हैं। नदी किनारे बसे गांवों को खाली कराया जा रहा है।

सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में लगातार बारिश से बाढ़ के हालात हैं। नदी-नाले उफान पर है। बांधों से पानी छोड़ा गया है। जिला व पुलिस प्रशासन, आपदा प्रबंधन को निर्देशित किया गया है कि जहां जरूरत पड़े सहायता करें। प्रदेश में कई दिनों से हो रही लगातार बारिश के चलते नदी-नाले उफान पर हैं। रायपुर, दुर्ग और बस्तर संभाग स्थित सिंचाई बांध और डैम लबालब हैं। ऐसी स्थिति में बांधों से लगातार पानी छोड़ा जा रहा है, जिसके चलते महानदी व शिवनाथ नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। धमतरी जिला स्थित रविशंकर जलाशय से 52 हजार क्यूसेक प्रति सेकंड के हिसाब से महानदी में पानी छोड़ा गया है। सोंढूर बांध से 5 हजार क्यूसेक, सिकासेर से 13 हजार 400 क्यूसेक पानी छोड़ा हो रहा है। शिवनाथ नदी पर बने मोंगरा बैराज, सूखा नाला बैराज और घूमरिया बैराज से 70 हजार क्यूसेक पानी शिवनाथ नदी में छोड़ा गया है, जिससे डाउनस्ट्रीम के जिलों में बाढ़ के हालात हैं।

हीराकुंड बांध से छोड़ा गया लाखों क्यूसेक पानी

ओडिशा के संबलपुर स्थित हीराकुंड बांध में अभी करीब 900000 क्यूसेक पानी की आवक है। ओडिशा के महानदी डेल्टा क्षेत्र में भारी बारिश और ओडिशा में बाढ़ की स्थिति के बावजूद छत्तीसगढ़ सरकार की विशेष पहल पर हीराकुंड बांध के अधिकारियों ने हीराकुंड से पानी छोड़ने पर सहमति व्यक्त की है। अभी तक, हीराकुंड से लगभग 4,50000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। यही वजह है कि रायगढ़ और जांजगीर चांपा जिलों में जलभराव और बाढ़ की स्थिति बन गई है। दोनों जिलों के बाढ़ संभावित गांव में मुनादी कराने के साथ ही निचले इलाकों को खाली कराया गया है।

बंगाल की खाड़ी में निम्न दाब का क्षेत्र बन रहा

मौसम विज्ञानी एचपी चंद्रा के मुताबिक मॉनसून द्रोणिका माध्य समुद्र तल पर जैसलमेर, पूर्वी राजस्थान और उससे लगे पश्चिम मध्य प्रदेश, दमोह, अंबिकापुर, पुरुलिया, कोंटाई, और उसके बाद पूर्व-दक्षिण-पूर्व की ओर उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी तक स्थित है। 19 अगस्त को एक निम्न दाब का क्षेत्र उत्तर बंगाल की खाड़ी में बनने की संभावना है। 17 अगस्त को कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। प्रदेश में गरज चमक के साथ एक-दो स्थानों पर वज्रपात भी हो सकती है। 18 अगस्त से प्रदेश में वर्षा की गतिविधि में वृद्धि होने की संभावना बन रही है।

सेल्फी लेते फिर गई जान

दीपक रंजन दास

गुस्ताखी माफ

भिलाई पावर हाउस का एक युवक सगनी घाट में डूब गया. नंदिनी थाना अंतर्गत पड़ने वाला सगनी घाट भिलाई-दुर्ग के लोगों के लिए एक प्रमुख पिकनिक स्पॉट है. पानी जीव मात्र को आकर्षित करता है. सभ्यता का विकास भी नदियों के आसपास ही हुआ. पर बारिश के दिनों में जब नदी नाले उफान पर होते हैं तो ये जीव मात्र के लिए मुसीबत बन जाते हैं. इस मुसीबत को और बढ़ा रहा है फोटोग्राफी और सोशल मीडिया. अब न केवल हर हाथ में कैमरा फोन है बल्कि सभी के पास मुफ्त का सोशल मीडिया भी है. सोशल मीडिया पर ज्ञात-अज्ञात लोगों के झुण्ड हैं. सोशल मीडिया फालोअर लोगों को कुछ न कुछ नया करने के लिए उकसाते रहते हैं. जब से रील वीडियो का चलन शुरू हुआ है लोग अपने पाजामे से बाहर निकलने लगे हैं. वो हर रोज कुछ न कुछ ऐसा करना चाहते हैं जो पोस्ट होने के बाद मिनटों में वायरल हो जाए. अज्ञात लोगों का डिजिटल अंगूठा हासिल करने की इस जद्दोजहद में कुछ लोग अपने प्राण गंवा रहे हैं तो बड़ी संख्या में लोग जख्मी भी हो रहे हैं. इसी का ताजा शिकार बना है यह युवक जो अपने दोस्तों के साथ लबालब शिवनाथ को देखने सगनी घाट गया हुआ था. उसने दुस्साहस का परिचय दिया और नदी पर बन रहे पुल के बीम पर जा चढ़ा. अभी वह सेल्फी ले ही रहा था कि उसका संतुलन बिगड़ गया और उफनती नदी में जा गिरा. नल के पानी में नहाने वालों को तैरना वैसे भी नहीं आता. और फिर उफनती नदी में तो स्विमिंग पूल वाले भी फेल हो जाते हैं. अच्छे खासे तैराक भी इस समय पानी से दूर ही रहना पसंद करते हैं. वह पानी में गिरा और बहकर कहां चला गया किसी को कोई अंदाजा नहीं है. पुलिस पहुंची, गोताखोर भी उतारे पर अब तक तलाश जारी है. बहरहाल बात चल रही थी सेल्फी की. पहले फोटो शूट के दौरान कम से कम दो लोगों की उपस्थिति अनिवार्य होती थी जिसमें से एक फोटोग्राफर होता था. पर सेल्फी ने फोटो शूट को निहायत ही निजी मामला बना दिया. लोग खुद अपनी फोटो खींचने लगे. कुछ लोग तो दिन में चार-पांच या उससे भी अधिक बार अपनी फोटो खींचते हैं. घंटे-दो घंटे में शक्ल-सूरत में क्या ही बदल जाता होगा. कोरोना काल में मोबाइल कैमरा स्टैंड और गिम्बाल भी खूब बिके. इससे काम कुछ और आसान हो गया. अब युवा अपने कमरे या बाथरूम के एकांत में कैमरा फिक्स कर खुद ही कपड़े उतार रहे हैं और उसे अपने बॉयफ्रेंड या गर्लफ्रेंड को भेज रहे हैं. गोपनीयता की तमाम कसमों के बावजूद ये लीक हो रहे हैं और कुछ लोग इससे पैसा भी बना रहे हैं. सरकार ने कुछ समय पहले ऐसी वेबसाइटों पर पाबंदी लगा दी थी पर ये सभी साइटें भेस बदल कर फिर से हाजिर हो गई हैं. अब आदमी सेल्फी लेता खुद डूब कर मरे या निजी तस्वीरों के नेट पर वायरल होने के बाद खुदकुशी करे, सेल्फी जानलेवा सिद्ध हो रहा है.

संपादकीय

गौरव और संकल्प

भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने का गौरवशाली अवसर इतिहास में दर्ज हो गया है। लगभग हर मुहल्ले में कोई न कोई विशेष आयोजन और हर घर तिरंगा अभियान तो कुल मिलाकर बहुत यादगार रहा है। इस खास पड़ाव पर जितना महत्वपूर्ण राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का उद्बोधन है, उतनी ही चर्चा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण की हुई है। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि हम भारतीयों ने संदेह जताने वाले लोगों को गलत साबित कर दिया है। इस मिट्टी में न केवल लोकतंत्र की जड़ें बढ़ी हैं, बल्कि समृद्ध भी हुई। राष्ट्रपति ने कहा कि देश का विकास अधिक समावेशी होता जा रहा है और क्षेत्रीय असमानताएं भी कम हो रही हैं। राष्ट्रपति ने गौरव के साथ याद किया कि अधिकांश लोकतांत्रिक देशों में वोट देने का अधिकार प्राप्त करने के लिए महिलाओं को लंबे समय तक संघर्ष करना पड़ा था, लेकिन हमारे गणतंत्र की शुरुआत से ही भारत ने सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार को अपनाया। राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने पहले उद्बोधन से न केवल देशवासियों को प्रेरित किया है, बल्कि उन्हें गर्व का भी एहसास कराया है।

> “ पांचवां संकल्प, नागरिकों का कर्तव्य। वाकई देश में सबको अपना कर्तव्य निभाना होगा। प्रधानमंत्री ने उचित ही कहा है कि यदि सरकार का कर्तव्य है- हर समय बिजली देना, तो नागरिक का कर्तव्य है- कम से कम बिजली खर्च करना। प्रधानमंत्री ने महिलाओं का सम्मान करने का भी संकल्प दिलाया है, तो वाकई इसकी बड़ी जरूरत है। बेशक, अगर हमने इन संकल्पों को गंभीरता से लिया, तो भारत को विश्व का सिरमौर देश होने से कोई रोक नहीं सकता।

पंद्रह अगस्त की सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से संबोधन के दौरान भ्रष्टाचारियों पर जमकर प्रहार किया। उन्होंने इसके खिलाफ जंग में देशवासियों का सहयोग भी मांगा। भाई-भतीजावाद पर भी चिंता जताई और कहा कि राजनीति के अलावा भी यह कई क्षेत्रों को प्रभावित कर रहा है। प्रधानमंत्री के इस उपयोगी उद्बोधन के अनेक अर्थ निकाले जा रहे हैं, प्रशंसा हो रही है, तो आलोचक भी कम नहीं हैं। भ्रष्टाचार देश में अगर बढ़ रहा है, तो किसकी जिम्मेदारी बनती है? भ्रष्टाचार को कौन खत्म करेगा? आजादी के 75वें साल में इस सवाल का उठना अपने आप में गंभीर बात है। आजादी के स्वप्न में भ्रष्टाचार से मुक्ति भी शामिल थी। आज भ्रष्टाचार पर प्रधानमंत्री अगर चिंता जता रहे हैं, तो देश अच्छी तरह से वस्तुस्थिति को समझ रहा है। प्रधानमंत्री ने बिल्कुल सही कहा है कि किसी के पास रहने को जगह नहीं और किसी के पास चोरी का माल रखने की जगह नहीं है। निस्संदेह, भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद के खिलाफ हमें मिलकर कदम उठाने पड़ेंगे। खैर, किसी देश को किन्हीं समस्याओं पर थम नहीं जाना चाहिए। समाधान तलाशते हुए आगे बढ़ना चाहिए। प्रधानमंत्री ने देश को पांच संकल्प दिए हैं। उन्होंने कहा कि अगले 25 वर्षों में जब देश अपनी आजादी के 100 साल पूरे करेगा, तब तक हमें इन संकल्पों को पूरा करना है। पहला संकल्प है, विकसित देश बनना। दूसरा संकल्प, देश के किसी कोने में गुलामी का अंश न रह जाए। उन्होंने सही कहा है कि हमें औरों के जैसा दिखने की कोशिश करने की जरूरत नहीं है। हम जैसे भी हैं, वैसे ही सामर्थ्य के साथ खड़े होंगे। तीसरा संकल्प, हमें अपनी विरासत पर गर्व होना चाहिए। चौथा संकल्प, देश में एकता और एकजुटता रहे। पांचवां संकल्प, नागरिकों का कर्तव्य। वाकई देश में सबको अपना कर्तव्य निभाना होगा। प्रधानमंत्री ने उचित ही कहा है कि यदि सरकार का कर्तव्य है- हर समय बिजली देना, तो नागरिक का कर्तव्य है- कम से कम बिजली खर्च करना। प्रधानमंत्री ने महिलाओं का सम्मान करने का भी संकल्प दिलाया है, तो वाकई इसकी बड़ी जरूरत है। बेशक, अगर हमने इन संकल्पों को गंभीरता से लिया, तो भारत को विश्व का सिरमौर देश होने से कोई रोक नहीं सकता।

भारतीय लोकतंत्र के दो दीमक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने लाल किले के भाषण में देशवासियों को प्रेरित करने के लिए कई मुद्दे उठाए लेकिन दिन भर टीवी चैनलों पर पार्टी वक्ता लोग सिर्फ दो मुद्दों को लेकर एक-दूसरे पर जमकर प्रहार करते रहे। उनमें पहला मुद्दा परिवारवाद और दूसरा मुद्दा भ्रष्टाचार का रहा। यद्यपि मोदी ने किसी परिवारवादी पार्टी का नाम नहीं लिया और न ही किसी नेता का नाम लिया लेकिन उनका इशारा दो-टूक था। वह था कांग्रेस की तरफ। यदि कांग्रेस मां-बेटा या भाई-बहन पार्टी बन गई है तो, जो दुर्गुण उसके इस स्वरुप से पैदा हुआ है, वह किस पार्टी में पैदा नहीं हुआ है? यह ठीक है कि कोई भी अखिल भारतीय पार्टी कांग्रेस की तरह किसी खास परिवार की जेब में नहीं पड़ी है लेकिन क्या आप देश में किसी ऐसी पार्टी को जानते हैं, जो आज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की तरह काम नहीं कर रही है? सभी पार्टियों में आंतरिक लोकतंत्र लकवाग्रस्त हो चुका है।

एक नेता या मुट्ठीभर नेताओं ने लाखों-करोड़ों पार्टी- कार्यकर्त्ताओं के मुंह पर ताले जड़ दिए हैं। भारत की प्रांतीय पार्टियां तो प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मुखौटा भी नहीं लगाती हैं। वे बाप-बेटा, भाई-भाई, बुआ-भतीजा, पति-पत्नी, प्रेमी-प्रेमिका, चाचा-भतीजा, ससुर-दामाद पार्टी की तरह काम कर रही हैं। ये सब पार्टियां परिवारवादी ही हैं। इन परिवारवादी पार्टियों का मूलाधार जातिवाद है, जो परिवारवाद का ही बड़ा रूप है। ये पार्टियां थोक वोट के दम पर जिंदा हैं। थोक वोट आप चाहे जाति के आधार पर हथियाएं, चाहे हिंदू-मुसलमान के नाम पर कब्जाएँ या भाषावाद के नाम पर गटकाएँ, ऐसी राजनीति लोकतंत्र का दीमक है। हमारा लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र जरुर है लेकिन बड़ा हुआ तो क्या हुआ? जैसे पेड़ खजूर! पंथी को छाया नहीं, फल लागे अति दूर !! यदि 75 साल में भी इस खजूर के पेड़ को हम आम का पेड़ नहीं बना सके तो हम अपना सीना कैसे फुला सकते हैं? इस कमजोरी के लिए हमारे सारे नेता और जनता भी जिम्मेदार है। इस साल यदि इस बीमारी का संसद कोई इलाज निकाल सके तो 2047 में भारत दुनिया का सर्वश्रेष्ठ लोकतंत्र बन सकता है। जहां तक भ्रष्टाचार का सवाल है, यह दृष्टव्य है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आज तक उसका एक छींटा भी नहीं लगा है लेकिन यह भी तथ्य है कि प्रशासन और जन-जीवन में आज भी भ्रष्टाचार का बोलबाला है। सिर्फ विरोधी नेताओं को जेल में डालने से आपको प्रचार तो अच्छा मिल जाता है लेकिन उससे भ्रष्टाचार-निरोध रत्ती भर भी नहीं होता। सारे भ्रष्टाचारी भरसक प्रयत्न करते हैं कि वे सरकार के शरणागत होकर बच जाएं और जो पहले से सरकार के साथ हैं, उन्हें भ्रष्टाचार करते समय ज़रा भी भय नहीं लगता। यदि भ्रष्टाचार जड़मूल से नष्ट करना है तो इसमें अपने-पराए का भेद एकदम खत्म होना चाहिए और सजाएं इतनी कठोर होनी चाहिए कि भावी भ्रष्टाचारियों के रोम-रोम को कंपा डालें।

वेद प्रताप वैदिक

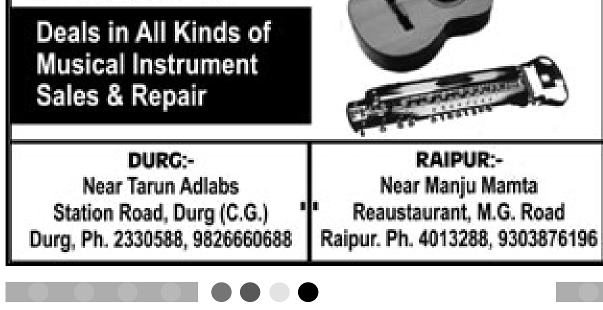

> “ उनको नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने गैर-कानूनी पदार्थ रखने, सेवन करने और बेचने से संबंधित कानूनों के तहत आरोपित किया था। वह तीन सप्ताह तक हिरासत में भी रहे। स्पष्ट है, राजनेताओं, मशहूर हस्तियों और आम नागरिकों से जुड़े ऐसे मामले वक्त-वक्त पर सामने आते रहे हैं। आजादी के सौवें वर्ष की ओर बढ़ रहे भारत में क्या इस स्थिति में बदलाव की उम्मीद की जा सकती है?

सिर्फ बुराइयों पर पड़े जांच की आंच

एस. श्रीनिवासन, वरिष्ठ पत्रकार

जब राष्ट्र अपनी आजादी की 75वीं वर्षगांठ मनाता है, तब यही उम्मीद की जाती है कि वह भू-राजनीतिक रूप से मजबूत, समृद्ध और न्यायप्रिय देश होगा। इसके लिए जरूरी है कि मुल्क में कानून का राज हो और इस तरह से हुकूमत की जाए कि नागरिकों को उचित आजादी नसीब हो। आम नागरिकों का दैनिक जीवन में पुलिस से वास्ता पड़ता है, जो उनके जान-माल की सुरक्षा करती है। दफ्तर के बाबुओं से जुड़े अपराध और जटिल आर्थिक भ्रष्टाचार के लिए सरकार जांच एजेंसियां नियुक्त करती है, जिनकी सफलता या विफलता उनकी कुशलता पर निर्भर करती है।

हाल ही में केंद्रीय जांच ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय जैसी एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे। विपक्ष इन एजेंसियों की कथित चूक को लेकर मुखर रहा है। इन पर सरकार के हाथों में खेलने का आरोप लग रहा है। विडंबना है कि न सिर्फ राजनेता, बल्कि अब आम लोग भी इससे प्रभावित हो रहे हैं। आर माधवन की हालिया फिल्म रॉकेटरी : द नंबी इफेक्ट इस मुद्दे को बखूबी उजागर कर रही है। यह फिल्म इसरो के वैज्ञानिक डॉ नंबी नारायण के जीवन पर आधारित है। इसमें जांच एजेंसियों की विफलता उजागर की गई है। दरअसल, सामान्य गति से चल रहा नंबी का जीवन केवल एक संदेह के कारण बदल गया। जांच एजेंसियां उनके पीछे लग गईं। यहां तक कि पुलिस और सीबीआई ने भी उनके साथ दुर्व्यवहार किया।

यह पूरा प्रकरण आम नागरिकों के जीवन पर सुरक्षा एजेंसियों के अधिकार की ओर इशारा करता है। एजेंसियां पूर्णाधिकार की हिमायती दिखती हैं। हालांकि, इससे भी बुरी बात मध्यम वर्ग का व्यवहार है। शोचनीय है कि इस वर्ग का एक बड़ा हिस्सा, वह भी केरल जैसे राज्य में, जिसे सबसे अधिक शिक्षित सूबा माना जाता है, सबसे भयावह तरीके से व्यवहार करता है। ऐसे लोग वैज्ञानिक को अपने पूर्वाग्रहों व वैचारिक आस्था के चश्मे से देखते हैं। जांच एजेंसियों की संदिग्ध कार्रवाइयों से खुश होने वाले नागरिक यह नहीं सोचते कि एक दिन वे भी इसका शिकार बन सकते हैं।

निस्संदेह, किसी बुरे कर्म का बचाव नहीं किया जा सकता। जिसने भी कानून का उल्लंघन किया है, उसके साथ सख्ती से निपटा जाना चाहिए। कानून के राज पर लोगों के विश्वास को मजबूत करने के लिए यह किया जाना महत्वपूर्ण है। मगर यहां मुद्दा यह है कि सुरक्षा एजेंसियां किस तरह से किसी संदिग्ध के साथ व्यवहार करती हैं। जांच के दौरान थर्ड डिग्री का इस्तेमाल किया जाता है। साफ-सुथरा सामाजिक जीवन जीने वाले व समाज में योगदान देने के लिए चर्चित लोगों को भी नहीं बख्शा जाता। साफहै, आपराधिक न्याय प्रणाली में सुधार जरूरी है। यह प्रकरण यही बताता है।

एक अन्य मसला, जो अभी सुर्खियां बटोर रहा है, वह है- मसाला बांड। यह चुनिंदा भारतीय कंपनियों द्वारा विदेशी निवेशकों को जारी किया जाने वाला बांड है। विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की सहयोगी संस्था अंतरराष्ट्रीय वित्त निगम ने इसे यह नाम दिया है। केरल सरकार मसाला बांड को लेकर कठघरे में है। प्रवर्तन निदेशालय ने पूर्व वित्त मंत्री थॉमस इसाक को इस बाबत समन जारी करके गवाह के तौर पर पेश होने को कहा। ईडी उनकी और उनके करीबी रिश्तेदारों की चल-अचल संपत्ति को खंगालना चाहता है। थॉमस ने ईडी के इस कदम को हाईकोर्ट में चुनौती दी। अदालत ने यह कहते हुए थॉमस को राहत दी है कि वह अपनी निजता के हकदार हैं। इस पूरे प्रकरण ने ईडी के आचरण पर सवालिया निशान खड़ा कर दिया है।

आखिर मसाला बांड है क्या? डॉलर मूल्यवर्ग के बांड के विपरीत मसाला बांड में एक्सचेंज का जोखिम नहीं होता है। सबसे पहले नवंबर, 2014 में आईएफसी द्वारा भारत में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 1,000 करोड़ रुपये के मसाला बांड जारी किए गए थे। बाद में, अगस्त, 2015 में आईएफसी ने पहली बार ग्रीन मसाला बांड जारी किया और 315 करोड़ रुपये जुटाए। यह रकम भारत में जलवायु परिवर्तन से जुड़ी योजनाओं में निवेश की जानी थी। हालांकि, इस तरह से धन उगाहने के आलोचक भी रहे हैं।

केरल के मामले में राज्य सरकार की संस्था केरल इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड (केआईआईएफबी) ने यह बांड जारी किया है। आलोचकों का कहना है कि भारत की तरफ से सूचीबद्ध होने वाले अन्य मसाला बांड की तुलना में केरल सरकार ने इस बांड के लिए अधिक का भुगतान किया है। दूसरा पक्ष मानता है कि फंड जुटाने का मतलब महज मूल्य निर्धारण नहीं होता। उनके मुताबिक, केआईआईएफबी जैसी संस्था का अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रवेश दीर्घावधि में बहुत सारे अवसर पैदा कर सकता है।

कैग ने मसाला बांड से सरकारी खजाने को नुकसान का अंदेशा जताया है। हालांकि, आलोचक कैग द्वारा किए गए गणना के तरीके पर सवाल उठा रहे हैं, जो उसी तरह का है, जिस तरह से 2जी मामले में नुकसान का आकलन किया गया था। कैग ने पूछा है कि क्या कोई राज्य सरकार बाहर से वाणिज्यिक उधार ले सकती है? संविधान का अनुच्छेद 293 (1) कहता है कि राज्य सरकार भारत के भौगोलिक क्षेत्र के भीतर ही उधार ले सकती है, जबकि इसी अनुच्छेद में यह भी कहा गया है कि केंद्र सरकार की सहमति के बिना कोई राज्य उधार नहीं ले सकता। हालांकि, केआईआईएफबी केरल सरकार द्वारा कंपनी अधिनियम के तहत दर्ज एक कंपनी है। जब राज्य में बुनियादी ढांचे से जुड़ी परियोजनाओं के लिए पूंजी जुटाने की बात आती है, तो यह एक मध्यस्थ की भूमिका निभाती है। रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों के मुताबिक, कोई भी संस्था जो प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पाने के योग्य है, विदेश से उधार ले सकती है।

बहरहाल, थॉमस इसाक ने कहा है कि ईडी का राजनीतिक इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे पहले मई, 2021 में भी अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान के खिलाफ ड्रग चार्ज हटाए गए थे। उनको नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने गैर-कानूनी पदार्थ रखने, सेवन करने और बेचने से संबंधित कानूनों के तहत आरोपित किया था। वह तीन सप्ताह तक हिरासत में भी रहे। स्पष्ट है, राजनेताओं, मशहूर हस्तियों और आम नागरिकों से जुड़े ऐसे मामले वक्त-वक्त पर सामने आते रहे हैं। आजादी के सौवें वर्ष की ओर बढ़ रहे भारत में क्या इस स्थिति में बदलाव की उम्मीद की जा सकती है?

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

कृष क्षेत्र में अपने देश को सर्वश्रेष्ठ बनाने का मौका

जयंतीलाल भंडारी, अर्थशास्त्री

सप्ताह भर पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीति आयोग की बैठक में कृषि, पशुपालन और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में आधुनिकीकरण की जोरदार वकालत की है। कृषि क्षेत्र में फसलों के विविधीकरण और नई टेक्नोलॉजी अपनाकर दलहन, तिलहन व अन्य जिंसों में आत्मनिर्भर होने के साथ कृषि क्षेत्र में ग्लोबल लीडर बनने का मौका मुट्ठी में करने की संभावनाएं प्रस्तुत की हैं। निस्संदेह, इस समय दुनिया के कृषि मानचित्र पर भारतीय कृषि का जो चित्र उभर रहा है, उसके आधार पर भारत कृषि क्षेत्र का ग्लोबल लीडर बन सकता है।

गौरतलब है कि देश में हरित क्रांति के बाद खाद्यान्न उत्पादन तेजी से बढ़ा है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि कोविड-19 की चुनौतियों के बीच भी अर्थव्यवस्था के तहत कृषि ही एकमात्र ऐसा क्षेत्र रहा है, जिसमें विकास दर नहीं घटी है। यदि हम खाद्यान्न उत्पादन के आंकड़ों की ओर देखें, तो पाते हैं कि देश में साल 1950-51 में जो खाद्यान्न उत्पादन 5.08 करोड़ टन था, वह तेजी से बढ़ते हुए वर्ष 2014-15 में 25.15 करोड़ टन और वर्ष 2021-22 में करीब 31.45 करोड़ टन पहुंच गया है। इतना ही नहीं, वर्षों तक खाद्यान्न के आयातक रहे भारत ने पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में करीब 2.1 करोड़ टन चावल और करीब 70 लाख टन से अधिक गेहूं का निर्यात भी किया है। पिछले वित्त वर्ष में पहली बार 50 अरब डॉलर से ज्यादा का कृषि निर्यात हुआ।

निस्संदेह, पिछले सात-आठ वर्षों में जन-धन योजना, आधार और मोबाइल से छोटे किसानों और ग्रामीण गरीबों का भारी सशक्तीकरण हुआ है। विगत 31 मई को गरीब कल्याण सम्मेलन कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा 10 करोड़ से अधिक लाभार्थी किसान परिवारों के बैंक खातों में 21,000 करोड़ रुपये से अधिक की सम्मान निधि ट्रांसफर की गई। इस किस्त के साथ केंद्र सरकार अब तक सीधे किसानों के बैंक अकाउंट में दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की रकम ट्रांसफर कर चुकी है। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के मुताबिक, किसानों की तपस्या और किसान कल्याण व कृषि विकास के लिए अनेक अभिनव पहल और प्रयोगों से देश में कृषि एवं किसानों की दशा-दिशा में बड़ा बदलाव दिखाई दे रहा है। देश में कृषि क्षेत्र को आगे बढ़ाने में कई कारण उभरकर दिखाई दे रहे हैं। कृषि संबंधी योजनाओं एवं कार्यक्रमों के सफल क्रियान्वयन, पिछले आठ वर्षों में कृषि बजट में करीब छह गुना वृद्धि, फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में लगातार बेहतर वृद्धि, कृषि स्टार्टअप, कृषि क्षेत्र में ड्रोन का प्रयोग, कृषि शोध से जुड़े सौ से अधिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, 75 कृषि विश्वविद्यालयों, इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च (आईसीआर) के 20 हजार से अधिक वैज्ञानिकों के समर्पित शोध कार्य कृषि क्षेत्र में विकास का नया अध्याय बना है। देश में दलहन और तिलहन की उन्नत खेती में 'लैब टु लैंड स्कीम' के प्रयोग और वैज्ञानिकों की सहभागिता के साथ नीतिगत समर्थन की नीति से तिलहन मिशन को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। इस समय देश भर में उन्नत प्रजाति के बीजों की आपूर्ति के लिए केंद्र सरकार दलहनों व तिलहनों की मुफ्त मिनी किट किसानों में बांट रही है। इसके लिए जलवायु आधारित चिन्हित गांवों को दलहन गांव घोषित किया गया है, जहां कृषि वैज्ञानिकों की देखरेख में दलहनी व तिलहनी फसलों की खेती की जा रही है।

इन विभिन्न प्रयासों से जहां देश में कृषि एवं ग्रामीण विकास का बढ़ता हुआ ग्राफ दिखाई दे रहा है, तो वहीं किसानों की कृषि और गैर-कृषिगत आमदनी भी बढ़ती दिखाई दे रही है। देश में 1 जुलाई, 2022 को 8.33 करोड़ टन खाद्यान्न (गेहूं व चावल) का बफर भंडार था। देश गेहूं, चावल और चीनी उत्पादन में आत्मनिर्भर है। हम दुनिया में सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश बन गए हैं। दलहन और तिलहन का उत्पादन देश की बढ़ती हुई आवश्यकता के अनुरूप नहीं बढ़ा है। भारत खाद्य तेलों का आयात करने वाला सबसे बड़ा देश बन गया है।

अत: भारत को कृषि में ग्लोबल लीडर बनने के लिए अभी मीलों चलने की जरूरत है। तिलहन उत्पादन के लिए कई और नए कदम उठाने पड़ेंगे। कृषि की बुनियाद को मजबूत करना होगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

मुझे देख फिजाएं
मुस्कुराई कैसा,
अद्भूत प्रेम,
समर्पण तेरे
आगोश में, मैं
पाई।

-अंजली जैन
7024460938

हम करें तो सशक्तिकरण आप करें तो रेवड़ी!

अजीत द्विवेदी

मुफ्त की चीजें बांटने या 'रेवड़ी कल्चर' की बहस थम नहीं रही है। उलटे यह बढ़ती जा रही है। राजनीतिक दलों के साथ साथ सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग भी इस बहस में शामिल हो गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले दिनों इस पर रोक लगाने के लिए एक विशेषज्ञ समिति बनाने का सुझाव दिया था, जिसमें सर्वोच्च अदालत का कहना था कि इसमें केंद्र सरकार के साथ साथ विपक्षी पार्टियों, चुनाव आयोग, नीति आयोग, भारतीय रिजर्व बैंक और अन्य संस्थाओं के साथ साथ सभी हितधारकों को शामिल किया जाए। बाद में चुनाव आयोग ने एक हलफनामा देकर अपने को इससे अलग करने को कहा क्योंकि वह एक संवैधानिक निकाय है और वह पार्टियों व दूसरी सरकारी या गैर सरकारी संस्थाओं के साथ किसी समिति में नहीं रह सकती है।

असल में चुनाव आयोग इस बात से चिंतित है कि सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई और उसके मीडिया रिपोर्टिंग से यह धारणा बन रही है कि वह इस मामले को रोकने के लिए गंभीर नहीं है। परंतु सवाल है कि चुनाव आयोग गंभीर होकर भी क्या कर सकता है, जबकि इस बात की कोई परिभाषा ही तय नहीं है कि किस चीज को 'मुफ्त की चीज बांटना' या 'रेवड़ी कल्चर' कहेंगे? भारत एक लोक कल्याणकारी राज्य है इसलिए यहां नागरिकों के हितों की रक्षा करना और उनको बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकारों की जिम्मेदारी होती है। सो, सबसे पहले तो यह तय करना होगा कि बुनियादी सुविधाएं क्या हैं, जिन्हें उपलब्ध कराना है और मुफ्त की सुविधाएं क्या हैं, जिन्हें नहीं उपलब्ध कराना है। केंद्र सरकार के एक मंत्री ने कहा कि 'सशक्तिकरण' और 'रेवड़ी कल्चर' में बहुत बारीक फर्क है। उनके कहने का मतलब है कि केंद्र सरकार जो सुविधाएं दे रही है वह नागरिकों का 'सशक्तिकरण' करना है लेकिन विपक्ष जो सुविधाएं दे रहा है या देने की घोषणा कर रहा है वह 'रेवड़ी कल्चर' है। यह सचमुच बहुत बारीक फर्क है और इसे राजनीति के नजरिए से देख कर परिभाषित करना हमेशा जोखिम भरा काम होगा। उसमें गलती की गुंजाइश रहेगी। मिसाल के तौर पर केंद्र सरकार देश के किसानों को हर महीने पांच सौ रुपए 'सम्मान निधि' देती है। इसे साल में तीन किश्तों में दो-दो हजार रुपए के हिसाब से दिया जाता है। यह किसानों को उनके सशक्तिकरण के लिए दिया जाता है। इसी तरह आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पंजाब में हर वयस्क महिला को एक हजार रुपए महीना देने का वादा किया था, जिसे उनकी राज्य सरकार पूरा कर रही है। अब उन्होंने यहीं वादा गुजरात में किया है। अरविंद केजरीवाल यह काम महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कर रहे हैं। जिस तरह से किसान मुश्किल झेल रहे हैं और हाशिए में हैं वैसे ही महिलाएं भी तमाम बातों के बावजूद वंचित समूह में आती हैं। उनको अगर सशक्त बनाने के लिए नकद दिया जाता है तो वह किसानों को दिए जाने वाले सम्मान निधि से अलग नहीं हो सकता है। दोनों या तो सशक्तिकरण हैं या दोनों रेवड़ी कल्चर का हिस्सा हैं।

इसमें संदेह नहीं है कि कई राज्य सरकारें एक सौ से लेकर तीन सौ यूनिट तक बिजली फ्री दे रही हैं, जिनकी वजह से बिजली आपूर्ति करने वाली कंपनियों से लेकर उत्पादन करने वाली कंपनियों और कोयला कंपनियों की स्थिति पर नकारात्मक असर हुआ है। उनके भुगतान में देरी हुई है और उनका कर्ज बढ़ा है। लेकिन यह सिर्फ इस वजह से नहीं है कि सरकारें लोगों को सस्ती या मुफ्त की बिजली दे रही हैं। यह सरकारों की कमी है कि वे बिजली कंपनियों के भुगतान में देरी कर रही हैं। सरकारें वंचित या आर्थिक रूप से कमजोर तबके को सस्ती या मुफ्त की बिजली दे रही है तो उसकी वसूली मध्य वर्ग और उच्च मध्य वर्ग से कर रही हैं। जिन घरों में बिजली का ज्यादा इस्तेमाल होता है वहां फिक्स्ड चार्ज से लेकर बिजली के चार्ज और टैक्स आदि बहुत ज्यादा होते हैं, जिनसे सरकार के खजाने में पैसा आता है। ऊपर से सरकारें इसके लिए सब्सिडी तय करती हैं। अगर वे समय पर भुगतान करें तो बिजली कंपनियों पर ज्यादा असर नहीं होगा। भारत में आजादी के बाद से नि:शुल्क या सस्ती कीमत पर राशन उपलब्ध कराने की व्यवस्था रही है। पीने का साफ पानी नि:शुल्क उपलब्ध कराना सरकारों की जिम्मेदारी रही है। दशकों से सरकारें सस्ते आवास देती रही हैं। उसी में दिल्ली की सरकार ने सात-आठ साल पहले सस्ती या मुफ्त बिजली जोड़ दी। आजादी के बाद से ही केंद्र में चाहे जिसकी सरकार रही वह देश के नागरिकों का नि:शुल्क टीकाकरण कराती रही है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

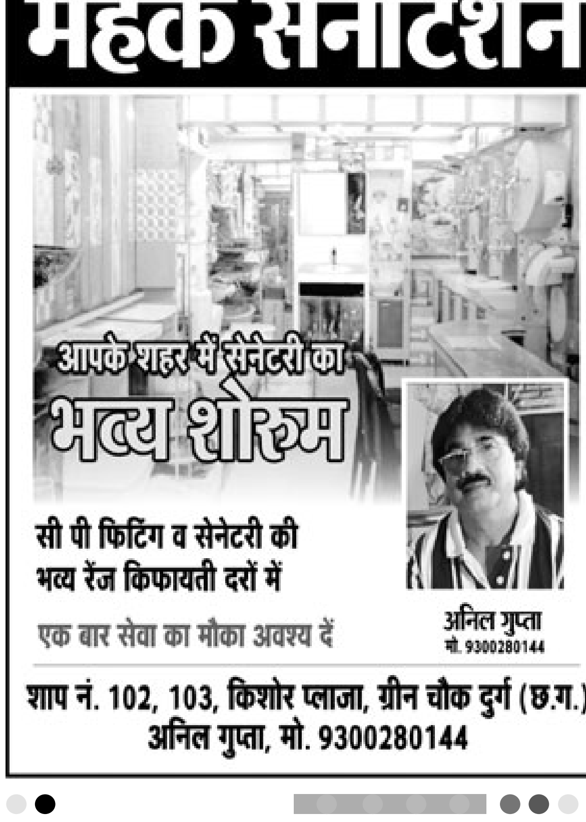

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

प्रेस क्लब राजनांदगांव के विस्तारित भवन का लोकार्पण सहित 141 पत्रकारों को आवासीय भूमि के दस्तावेज का किया वितरण

मुख्यमंत्री ने पत्रकारों को आबंटित आवासीय भू-खण्ड के विकास के लिए 1.80 करोड़ रूपए प्रदाय करने की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राजनांदगांव में पत्रकारों के लिए आबंटित आवासीय भूखंड में आवश्यक विकास कार्यों हेतु एक करोड़ 80 लाख रुपए की राशि प्रदाय करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल अपने निवास कार्यालय में आज प्रेस क्लब राजनांदगांव द्वारा आयोजित कार्यक्रम में यह घोषणा की। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान प्रेस क्लब राजनांदगांव में 75 लाख रूपए की लागत से विस्तारित भवन का लोकार्पण करने सहित पत्रकार कॉलोनी का भूमिपूजन किया। साथ ही उन्होंने राजनांदगांव के 141 पत्रकारों को आवासीय भूमि के दस्तावेज का वितरण भी किया।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में पत्रकारों को ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं मिले, उनका तथा उनके परिजनों का जीवन सुगम हो। इसके लिए हमने राज्य में पत्रकारों के कल्याण के लिए हर जरूरी कदम उठाए हैं। उन्होंने बताया कि एक पत्रकार का काम बहुत चुनौतीपूर्ण होता है। उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती होती है कि आर्थिक कठिनाईयों का सामना करते हुए अपने परिजनों के प्रति भी अपने कर्तव्यों को पूरा करें। लोगों तक सूचनाएं पहुंचाने की भागमभाग में पत्रकार को अपने परिजनों के लिए समय पर जरूरी चीजों का इंतजाम करना भी कठिन हो जाता है। शासन ने अपनी इस जिम्मेदारी को महसूस किया कि पत्रकारों के जीवन की कठिनाईयों को कम किया जा सके, ताकि वे निश्चिंत होकर अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकें। इसीलिए राजनांदगांव के पत्रकारों ने जब जमीन की मांग की तो उन्हें तत्परता से 10 एकड़ जमीन शासन की ओर से उपलब्ध कराई गई।

उन्होंने कहा कि राजनांदगांव में प्रेस क्लब भवन के विस्तार से पत्रकारों को अपनी रचनात्मक गतिविधियों के संचालन में बेहतर सुविधा होगी। यह भी खुशी की बात है कि आज पत्रकारों को आबंटित भू-खण्डों के रजिस्ट्री का वितरण हुआ। मुझे बताया गया है कि समिति द्वारा राजनांदगांव के 141 पत्रकारों को मात्र 01 लाख रूपए की दर से 1980 वर्गफीट के भू-खण्ड आबंटित किए गए हैं। इसके लिए पत्रकारों की मांग पर शासन द्वारा सोसायटी को 10 एकड़ भूमि आबंटित की गई थी, ताकि पत्रकारों के अपने घर का सपना पूरा हो सके।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने आगे कहा कि राजनांदगांव को संस्कारधानी के नाम से जाना जाता है। यहां विविध साहित्यिक गतिविधियों के साथ-साथ पत्रकारिता के क्षेत्र में भी एक विशिष्ट पहचान है। कार्यक्रम को महापौर राजनांदगांव श्रीमती हेमा देशमुख, अध्यक्ष जिला सहकारी केंद्रीय बैंक राजनांदगांव नवाज खान ने भी सम्बोधित किया और उनके द्वारा राज्य में पत्रकारों के कल्याण के लिए संचालित कार्यों की सराहना की गई।

इस अवसर पर अध्यक्ष छत्तीसगढ़ युवा आयोग जितेंद्र मुदलियार, अध्यक्ष राजगामी सम्पदा न्यास राजनांदगांव श्री विवेक वासनिक, श्री आर.पी. सिंह, कलेक्टर श्री डोमन सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री प्रफुल्ल ठाकुर, प्रेस क्लब राजनांदगांव के अध्यक्ष श्री सचिन अग्रहरि सहित प्रेस क्लब राजनांदगांव के अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

राज्य के 121 नगरीय निकायों में कृष्ण कुंज के लिए हुआ स्थल का चयन

शहरी वातावरण को शुद्ध रखने और सांस्कृतिक महत्व के पेड़ों को सहेजने की अनोखी पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर छत्तीसगढ़ के सभी नगरीय क्षेत्रों में 'कृष्ण कुंज' विकसित किए जाएंगे।कृष्ण कुंज में बरगद, पीपल, नीम और कदंब जैसे सांस्कृतिक महत्व के जीवनोपयोगी वृक्षों का रोपण किया जाएगा ।मुख्यमंत्री ने सभी कलेक्टरों को 'कृष्ण कुंज' विकसित करने के लिए वन विभाग को न्यूनतम एक एकड़ भूमि का आबंटन करने के निर्देश दिए हैं। अब तक राज्य के 121 स्थलों को 'कृष्ण कुंज' के लिए चिन्हांकित कर लिया गया है। वृक्षारोपण की तैयारी भी बड़ी उत्साह के साथ की जा रही है। इस कृष्ण जन्माष्टमी से पूरे राज्य में 'कृष्ण कुंज' के लिए चिन्हित स्थल पर वृक्षों का रोपण प्रारंभ किया जाएगा। पर्यावरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण ये पेड़ जैव विविधता और इकोसिस्टम के लिए भी अहम हैं। जहां एक तरफ प्राकृतिक औषधि के रूप में नीम को सर्वोत्तम माना गया है, तो वहीं बरगद को ऑक्सीजन का खजाना भी कहा जाता है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार पीपल के वृक्ष पर सभी देवी-देवताओं का वास होता है। यानी कि यह कई गुणों से भरपूर है। लेकिन शहरीकरण के दौर में हमारे यह सांस्कृतिक धरोहर कहीं खोते जा रहे हैं। शहरों में पेड़-पौधों को बचाने, बेहतर इकोसिस्टम को विकसित करने और सांस्कृतिक महत्व के इन पेड़ों को फिर से गुलज़ार करने की मुहिम छत्तीसगढ़ में शुरू की जा रही है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने 'कृष्ण-कुंज' योजना के उद्देश्यों को लेकर कहा कि, वृक्षारोपण को जन-जन से जोड़ने, अपने सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और उन्हें विशिष्ट पहचान देने के लिए इसका नाम 'कृष्ण-कुंज' रखा गया है। विगत वर्षों में शहरीकरण की वजह से हो रही अंधाधुंध पेड़ों की कटाई से इन पेड़ों का अस्तित्व खत्म होता जा रहा है। आने वाली पीढ़ियों को इन पेड़ों के महत्व से जोड़ने के लिए 'कृष्ण-कुंज' की पहल की जा रही है। सांस्कृतिक विविधताओं से परिपूर्ण छत्तीसगढ़ का हर एक पर्व प्रकृति और आदिम संस्कृति से जुड़ा हुआ है। इनके संरक्षण के लिए ही यहां के तीज-त्यौहारों को आम लोगों से जोड़ा गया और अब 'कृष्ण-कुंज' योजना के माध्यम से इन सांस्कृतिक महत्व के पेड़ों को सहेजने की अनुकरणीय पहल हो रही है। जो आने वाली पीढ़ियों को एक बेहतर कल की ओर ले जाएगी।

खास खबर

कलेक्टर ने तीन दिव्यांगजनों को दिलायी मोटराइज्ड ट्रायसिकल

कोरबा। कलेक्टर संजीव झा की संवेदनशीलता से जन चौपाल में आये तीन दिव्यांगजनों को तत्काल मोटराईज्ड ट्रायसिकल मिल गया। ट्रायसिकल मिलने से दिव्यांगजनों को अब आने जाने में आसानी होगी। साथ ही दूर जाने के लिए किसी का सहारा नही लेना पडेगा। मोटराईज्ड ट्रायसिकल मिलने पर दिव्यांगजनों ने खुशी जताते हुए कलेक्टर संजीव झा का आभार जताया है। जनचौपाल में पटेल पारा कोरबा निवासी द्वारिका पटेल, ग्राम सण्डैल निवासी होरी लाल कश्यप एवं दादरखुर्द निवासी सुखकुंवर को मोटराईज्ड ट्रायसिकल प्रदान किया गया। आज आयोजित जन चौपाल में 64 लोगों ने कलेक्टर संजीव झा को अपनी समस्याओं-सुझावों से अवगत कराया। कलेक्टर झा ने कलेक्टोरेट सभा कक्ष में आयोजित जनचौपाल में लोगों की समस्याएं सुनी और उनके त्वरित निदान के लिए उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए। आज आयोजित जनचौपाल में डीएफ्ओ कोरबा मती प्रियंका पाण्डेय, डीएफ्ओ कटघोरा मती प्रेमलता यादव, जिला पंचायत के सी.ई.ओ. नूतन कंवर, नगर निगम आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय सहित सभी विभागीय अधिकारीगण मौजूद रहे। जनचौपाल में आज ग्राम गेंरवा गोपालपुर निवासी कुछ ग्रामीणों ने एनटीपीसी द्वारा पुर्नवासित ग्राम में अवैध कब्जा होने की शिकायत करते हुए ग्राम गेंरवा गोपालपुर में बेजा कब्जा हटवाने के लिए आवेदन प्रस्तुत किये। कलेक्टर झा ने आवेदन पर संज्ञान लेते हुए तहसीलदार को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। इसी प्रकार ग्राम पंचायत मिसिया के कुछ ग्रामीणों ने शासकीय उचित मूल्य के दुकान से वितरित किए जा रहे राशन में दुकान संचालन समूह द्वारा गडबड़ी किये जाने की शिकायत की। ग्रामीणों ने अप्रैल माह के अतिरिक्त चांवल को दुकान संचालन समूह द्वारा गबन किये जाने की शिकायत की। कलेक्टर झा ने आवेदन पर संज्ञान लेते हुए पूरे मामले की विस्तृत जांच करने के निर्देश एसडीएम पोड़ीउपरोड़ा को दिये।

10 हजार शिक्षकों की भर्ती की प्रक्रिया शुरू

राज्य के 422 स्कूलों में लागू होगी स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय योजनाः मुख्यमंत्री

दंतेवाड़ा जिले के सभी शासकीय हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलों को दिया जाएगा स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय का स्वरूप

आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर राज्य के विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री की सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज देश की आजादी की 75वीं वर्षगांठ के पावन और गौरवशाली अवसर पर राजधानी रायपुर के पुलिस परेड मैदान में ध्वजारोहण करने के बाद प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर राज्य के विद्यार्थियों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मुहैया कराने के लिए बड़ी सौगात दी। उन्होंने राज्य में आगामी शिक्षा सत्र के पूर्व राज्य के 422 स्कूलों में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय योजना लागू किए जाने की घोषणा की, जिसमें से 252 स्कूल बस्तर एवं सरगुजा संभाग में होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दंतेवाड़ा जिले के शत प्रतिशत शासकीय हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलों को स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय का स्वरूप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में हमने सुधार के स्थायी उपाय किए, जिसके तहत पहले चरण में 14 हजार से अधिक शिक्षकों की स्थायी भर्ती का कार्य शुरू किया गया, जो अब अंतिम चरणों में है। इसके अतिरिक्त 10 हजार शिक्षकों की भर्ती की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय योजना' से स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में एक नयी क्रांति आयी है। विगत वर्ष हमने 51 स्कूलों से यह योजना प्रारंभ की थी, जो अब बढ़कर 279 स्कूलों तक पहुंच चुकी है। इनमें से 32 स्कूल हिन्दी माध्यम के हैं तथा 247 स्कूलों में हिन्दी के साथ अंग्रेज़ी माध्यम में भी शिक्षा दी जा रही है। इस वर्ष 2 लाख 52 हजार 600 बच्चों ने इन स्कूलों में प्रवेश लिया है, जिसमें 1 लाख 3 हजार बच्चे अंग्रेज़ी माध्यम तथा 1 लाख 49 हजार 600 बच्चे हिन्दी माध्यम के हैं। इस योजना की सफलता को देखते हुए हमने निर्णय लिया है कि अधिक से अधिक स्कूलों को इस योजना के अंतर्गत लाया जाएगा।

आगामी शिक्षा सत्र के पूर्व 422 स्कूलों में यह योजना लागू होगी, जिनमें से 252 स्कूल बस्तर एवं सरगुजा संभाग में होंगे और इनमें दंतेवाड़ा जिले के शत-प्रतिशत शासकीय हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूल होंगे। अपना वादा निभाते हुए हमने नवा रायपुर में अंतरराष्ट्रीय स्तर का बोर्डिंग स्कूल स्थापित करने की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों को उनकी मातृभाषा में ही प्रारंभिक शिक्षा प्रदान करने के लिए हमने हिन्दी के अलावा 16 स्थानीय भाषाओं में तथा 4 पड़ोसी राज्यों की भाषाओं में पाठ्यपुस्तकें प्रकाशित कराई हैं। 'नि:शुल्क पाठ्य पुस्तक योजना' के तहत कक्षा पहली से कक्षा दसवीं तक सभी शासकीय-अशासकीय शालाओं तथा कक्षा आठवीं तक मदरसों के बच्चों को लगभग 52 लाख पाठ्य पुस्तकें प्रदान की जा रही हैं। नवमीं कक्षा में पढ़ने वाली 1 लाख 55 हजार छात्राओं को इस वर्ष नि:शुल्क सायकल देने का लक्ष्य रखा गया है।

स्कूली शिक्षा को रोजगारमूलक बनाने के लिए उसका आईटीआई के साथ समन्वय किया गया है, ताकि स्कूली शिक्षा और आईटीआई प्रशिक्षित होने का प्रमाण-पत्र एक साथ प्राप्त हो सके। इस योजना के तहत 114 हायर सेकेण्डरी स्कूलों को जोड़ा जा चुका है। उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए 1 हजार 459 सहायक प्राध्यापकों, क्रीड़ा अधिकारियों और ग्रंथपालों की नियुक्ति की गई है।

अतिथि व्याख्याताओं का मानदेय बढ़ाया गया है। सभी जिलों में कन्या महाविद्यालय खोलने के क्रम में मुंगेली में नया कन्या महाविद्यालय प्रारंभ कर दिया गया है।

मंत्री कवासी लखमा ने सुकमा में हितग्राहियों को 40 वनाधिकार मान्यता प्रत्र प्रदान किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। सुकमा नगर पालिका परिषद में आयोजित वनाधिकार प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम में राज्य के वाणिज्यिक कर (आबकारी) एवं उद्योग मंत्री कवासी लखमा मुख्य अतिथि के रूप में शरीक हुए। मंत्री कवासी लखमा ने सुकमा शहरी क्षेत्र के 34 लोगों को वनाधिकार प्रमाण पत्र प्रदान किया। इसमें सुभाष चन्द्र बोस वार्ड क्रमांक 1 के 14 और बिरसा मुण्डा वार्ड क्रमांक 8 के 20 व्यक्ति शामिल हैं।

इससे पहले 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर बिरसा बुण्डा वार्ड क्रमांक 8 के 6 हितग्राहियों को वनाधिकार मान्यता प्रत्र प्रदान किया गया था। इस प्रकार सुकमा शहरी क्षेत्र के अन्तर्गत कुल 40 वनाधिकार प्रमाण पत्र प्रदान किया गया और सुकमा शहरी क्षेत्र में वनाधिकार प्रमाण पत्र प्रदान करने वाला संभाग का तीसरा जिला बन गया है। इस दौरान उद्योग मंत्री श्री कवासी लखमा ने अपने उद्बोधन में कहा कि बरसों से वन भूमि पर काबिज पात्र हितग्राहियों को ग्रामीण क्षेत्रों के साथ ही शहरी क्षेत्र में भी वन अधिकार प्रमाण पत्र दिया जा रहा है और स्थानीय संसाधनों में स्थानीय लोगों का अधिकार सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने शेष पात्र हितग्राहियों को शीघ्र ही वन अधिकार पट्टा प्रदान करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम को जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हरीश कवासी, नगर पालिका अध्यक्ष श्री राजू साहू ने भी संबोधित किया। उन्होंने शहरी क्षेत्रों में सुकमा के वन अधिकार प्रमाण पत्र प्रदान करने में अन्य जगहों से अव्वल रहने पर खुशी जाहिर की। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हरीश कवासी, नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष श्री राजू साहू और उपाध्यक्ष श्रीमती आयशा हुसैन सहित पार्षदगण, गणमान्य नागरिक व अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

पूर्ण शराबबंदी की तैयारी के लिए अन्य राज्यों का भ्रमण कर रिपोर्ट तैयार की जाएगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य में पूर्ण शराब बंदी लागू किये जाने के संबंध में अनुशंसा हेतु राज्य के प्रमुख राजनैतिक दलों के विधायकों की राजनैतिक समिति की तृतीय बैठक आज नया रायपुर के वाणिज्य कर एवं जीएसटी भवन के आबकारी आयुक्त कार्यालय में विधायक श्री सत्यनारायण शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में समिति के अध्यक्ष विधायक श्री शर्मा ने बताया कि राजनैतिक समिति में सदस्य के रूप में शामिल करने के लिए भारतीय जनता पार्टी तथा जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) से 2-2 नाम मांगे गए थे। किंतु इन दोनों पार्टियों द्वारा विधायकों के नाम देने से इंकार किये जाने के संबंध में प्राप्त पत्र की जानकारी सदस्यों को दी।

अध्यक्ष श्री शर्मा ने बताया कि पूर्ण शराबबंदी के लिए किए जाने वाले आवश्यक तैयारी के अध्ययन के लिए दल का गठन किया जाएगा। अध्ययन दल द्वारा अन्य राज्यों जहां वर्तमान में पूर्ण शराब बंदी लागू है, ऐसे राज्य जहां पूर्ण शराब बंदी लागू थी, किन्तु बाद में शराब का विक्रय पुनः प्रारंभ किया गया तथा देश के एक अनुसूचित जनजाति बाहुल्य राज्य का अध्ययन भ्रमण कर रिपोर्ट तैयार करेगी। इसके लिए संबंधित राज्यों को अवगत कराते हुए अनुमति ली जाएगी। अनुमति मिलने पर अध्ययन भ्रमण के लिए कार्यक्रम बनाया जाएगा। बैठक में सदस्यों द्वारा राज्य में अवैध मदिरा विक्रय पर प्रभावी नियंत्रण किये जाने हेतु सुझाव दिया गया साथ ही अवैध मदिरा की जप्ती पर बनाये जाने वाले पंचनामे पर संबंधित ग्राम के सरपंच, ग्राम पटेल, कोतवाल तथा समाज प्रमुख/प्रबुद्ध नागरिकों को पंचनामे में उनका हस्ताक्षर अनिवार्य किये जाने का सुझाव दिया गया।

बैठक में सदस्यों द्वारा मदिरा दुकानों में सी. सी. टी. व्ही. कैमरा सतत् रूप से चालू रखने, शराब के अलावा अन्य वैकल्पिक नशों पर प्रभावी नियंत्रण किये जाने, विभागीय टोल फ्री नंबर 14405 पर प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण किये जाने संबंधी इत्यादि सुझाव दिये गये।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार

स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

CONTACT
Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर

राज्यपाल ने प्रदेशवासियों को कमरछठ की दी शुभकामनाएं

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने हलषष्ठी (कमरछठ) के अवसर पर प्रदेशवासियों विशेषकर माताओं को हार्दिक शुभकामनाएं दी है। राज्यपाल सुश्री उइके ने कहा है कि माताएं इस दिन अपने बच्चों के उत्तम स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना करते हुए व्रत रखती हैं। राज्यपाल ने ईश्वर से प्रार्थना की है कि वे माताओं की मनोकामना पूरी करे। उल्लेखनीय है कि हलषष्ठी (कमरछठ) पूरे प्रदेश में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। इस दिन अनेकों पारंपरिक गतिविधियां की जाती हैं। विशेष रूप से छह तरह की भाजियां, पसहर चावल, महुआ के पत्ते, धान की लाई सहित पूजन की सामग्री से पूजा-अर्चना कर माताएं संतान की दीर्घायु जीवन की कामना करती हैं।

छत्तीसगढ़ में अब तक 904.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2022 से अब तक राज्य में 904.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून से 16 अगस्त तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1906.1 मिमी और सरगुजा में जिले में सबसे कम 362.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सूरजपुर में 523.0 मिमी, बलरामपुर में 476.2 मिमी, जशपुर में 533.1 मिमी, कोरिया में 540.7 मिमी, रायपुर में 690.1 मिमी, बलौदाबाजार में 909.0 मिमी, गरियाबंद में 971.0 मिमी, महासमुंद में 936.0 मिमी, धमतरी में 976.7 मिमी, बिलासपुर में 1028.4 मिमी, मुंगेली में 969.3 मिमी, रायगढ़ में 870.2 मिमी, जांजगीर-चांपा में 1060.8 मिमी, कोरबा में 809.5 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 774.1 मिमी, दुर्ग में 796.6 मिमी, कबीरधाम में 874.0 मिमी, राजनांदगांव में 949.1 मिमी, बालोद में 1028.1 मिमी, बेमेतरा में 565.0 मिमी, बस्तर में 1291.5 मिमी, कोण्डागांव में 1049.5 मिमी, कांकेर में 1178.1 मिमी, नारायणपुर में 1075.6 मिमी, दंतेवाड़ा में 1302.9 मिमी और सुकमा में 867.5 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की गई।

राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने संविदा पदों के लिए 24 अगस्त 2022 तक आवेदन आमंत्रित

रायपुर। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने वरिष्ठ सलाहकार (राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण) एवं 10 जिलों के सलाहकार (जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण) के संविदा पदों के लिए 24 अगस्त 2022 तक आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस विषय में पदों का विवरण, शैक्षणिक योग्यता, अनुभव, आयु सीमा, आवेदन हेतु ऑनलाइन लिंक, चयन प्रक्रिया एवं अन्य शर्तों को विभाग की वेबसाइट sdma.cg.gov.in पर देखा जा सकता है।

पत्रकारों के स्वास्थ्य बीमा के लिए जल्द होगी पहलः मुख्यमंत्री भूपेश बघेल

विधानसभा के आगामी शीतकालीन सत्र या बजट सत्र में लाया जाएगा पत्रकार सुरक्षा कानून

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि राज्य सरकार द्वारा पत्रकारों को स्वास्थ्य बीमा का लाभ दिलाने के लिए जल्द पहल की जाएगी। पत्रकारों की इस मांग का अध्ययन कर शीघ्र उचित निर्णय लिया जाएगा। वर्तमान में मरीजों के इलाज के लिए सहायता उपलब्ध कराने राज्य शासन द्वारा योजनाएं संचालित की जा रही है। ये देखेंगे कि पत्रकारों को इन योजनाओं के माध्यम से कव्हर किया जा सकता है या नहीं अथवा इसके लिए बजट में अलग से मद का प्रावधान करने की आवश्यकता पड़ेगी। इस संबंध में जो भी कदम उठाने होंगे वे अवश्य उठाए जाएंगे। जरूरी हुआ तो विधानसभा में भी इसे लाएंगे।

संसदीय सचिव विकास उपाध्याय कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। वरिष्ठ पत्रकार रमेश नैय्यर, भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ छत्तीसगढ़ इकाई के प्रदेश अध्यक्ष नितिन चौबे, सलाहकार परिषद के सदस्य डॉ. हिमांशु द्विवेदी, गोपाल वोरा और मोहसिन अली सोहेल सहित संघ के अनेक पदाधिकारी और सदस्य पत्रकार उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विधानसभा के आगामी शीतकालीन सत्र या बजट सत्र में पत्रकार सुरक्षा कानून लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोरोना के कारण जो प्रथमिकताएँ थी उनके क्रम में परिवर्तन हुआ है पर पत्रकार सुरक्षा कानून हमारी प्राथमिकता में शामिल है और बहुत जल्द लागू करने के लिए हम प्रयासरत हैं। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस की अध्यक्षता इस संबंध में गठित की गई कमेटी की कई बैठकें हो चुकी हैं। इसका ड्राफ्ट भी तैयार हो गया है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सम्मान समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि एक दौर था जब टेबल न्यूज की चर्चा होती थी और ग्रामीण पत्रकारिता की बात होती थी। अब इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के आ जाने से पत्रकारों को घटना स्थल पर जाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों का जीवन बड़ा कठिन होता है। उनमें एक जुनून होता है कि पत्रकारिता करनी है, लेकिन इससे भी ज्यादा मुश्किल पत्रकारिता में स्थापित होना होता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जांजगीर-चांपा के पिहरीद गांव में बालक राहुल साहू के बोरवेल में गिरने की घटना के समय शासन-प्रशासन के साथ सभी लोगों ने, पत्रकार, व्यवसायी, समाजसेवी ने, जिससे जो बन पड़ा सहायता की। 109 घण्टे इतने लंबे समय तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद राहुल का सकुशल लौट आना देश में इकलौता उदाहरण है। इसके पहले भी बोरवेल से बच्चों को सकुशल निकाला गया है, लेकिन वहां रेस्क्यू ऑपरेशन की अवधि कम थी, वहां की जमीन नरम थी, चट्टान नहीं थी। ऑपरेशन के दौरान कई ऐसे अवसर आए, जब लगा कि राहुल अब निकल आएगा, लेकिन आपॅरेशन लम्बा खिचता गया। रेस्क्यू टीम पूरे हौसले के साथ अपने काम में जुटी रहीं और ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। इस लम्बे रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान पत्रकार साथियों ने अनेक कठिनाईयों और चुनौतियों का सामना करते हुए पल-पल की सकारात्मक रिपोर्टिंग की और पूरे प्रदेश, देश और दुनिया तक सूचना पहुंचाई। सभी लोगों की संवेदनाएं राहुल के साथ जुड़ी और उनकी दुआएं काम आई और राहुल हमारे बीच सकुशल लौट आया। उन्होंने कहा कि राहुल को कीचड़ से हुए इन्फेक्शन को ठीक करने में डॉक्टरों ने बहुत मेहनत की अब राहुल साहू की स्पीच थेरेपी कराई जा रही है।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए संसदीय सचिव विकास उपाध्याय ने कहा कि आज के इस कार्यक्रम में उन पत्रकारों का सम्मान किया जा रहा है, जिन्होंने राहुल के रेस्क्यू ऑपरेशन को नजदीक से देखा और पल-पल की खबर लोगों तक पहुंचाई। पत्रकार साथियों ने बिना भोजन किए, बिना विश्राम किए पूरे घटनाक्रम की लाईव रिपोर्टिंग की। डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की संवेदनशीलता और लगातार प्रोत्साहन से रेस्क्यू टीम ने संकल्प शक्ति के साथ इस ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ छत्तीसगढ़ इकाई के प्रदेश अध्यक्ष नितिन चौबे ने स्वागत भाषण दिया। संघ के पदाधिकारी सुखनंदन बंजारे ने आभार प्रदर्शन किया।

मुख्यमंत्री ने 61 पत्रकारों को श्रमवीर सम्मान से किया सम्मानित

मुख्यमंत्री बघेल ने राजधानी रायपुर के न्यू सर्किट हाउस के कॉन्क्लेव हॉल में आयोजित श्रमवीर सम्मान 2022-23 समारोह को सम्बोधित करते हुए यह बात कही। सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री बघेल ने जांजगीर-चांपा जिले के ग्राम पिहरीद में राहुल साहू के रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान रिकार्ड 109 घंटे जीवंत कव्हरेज करने वाले 61 पत्रकारों को श्रमवीर सम्मान से सम्मानित किया। कार्यक्रम का आयोजन भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ की छत्तीसगढ़ इकाई द्वारा किया गया।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ उठाएंः अनिला भेंड़िया

क्षेत्रवासियों को नवीन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन डौंडीलोहारा की मिली सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश की महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया ने बालोद जिले के ग्राम कामता मे नवीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन डौंडीलोहारा का लोकार्पण कर क्षेत्रवासियों को स्वास्थ्य के क्षेत्र में नई सौगात दी है। सांसद मोहन मंडावी इस अवसर पर उपस्थित थे।

मंत्री भेंड़िया ने नवीन स्वास्थ्य केंद्र में अस्पताल में अपना रक्तचाप जांच कराया और ओपीडी कक्ष, दवाई वितरण कक्ष, प्रसूति कक्ष, महिला वार्ड, पुरुष वार्ड, चिकित्सक कक्ष का अवलोकन कर उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली।

मंत्री भेंड़िया ने संबोधित करते हुए नागरिकों को नवीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य केंद्र के नए भवन मिलने से अब स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार होगा। मंत्री श्रीमती भेंड़िया ने स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों व स्टॉफ से कहा कि वे स्वास्थ्य केंद्र में आने वाले मरीजों से अच्छा व्यवहार बनाये रखें और उनको बेहतर स्वास्थ्य सुविधा दें। अस्पताल में आने वाले मरीजों का स्वास्थ्य जांच, उपचार व दवा वितरण सुव्यवस्थित रूप से हो। छत्तीसगढ़ सरकार विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लिनिक योजना, मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना की विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाने लोगो को प्रेरित किया।

सांसद मोहन मंडावी ने कहा कि नवीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन मिलने से क्षेत्रवासियों की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हुई है। इसके लिए सभी को बहुत बहुत बधाई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एस.के. मंडल ने बताया कि 30 बिस्तर नवीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन का निर्माण 02 करोड़ 50 लाख रुपए की लागत से किया गया है। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य चंद्रप्रभा सुधाकर, होरीलाल रावटे, अधिकारीगण, स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक व स्टॉफ और बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

दलहनी फसलों पर अनुसंधान एवं विकास हेतु रायपुर में जुटेंगे देश भर के सौ से अधिक कृषि वैज्ञानिक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देश में दलहनी फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान एवं विकास हेतु कार्य योजना एवं रणनीति तैयार करने देश के विभिन्न राज्यों के 100 से अधिक दलहन वैज्ञानिक 17 एवं 18 अगस्त को कृषि विश्वविद्यालय रायपुर में जुटेंगे। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के सहयोग से यहां दो दिवसीय रबी दलहन कार्यशाला एवं वार्षिक समूह बैठक का आयोजन किया जा रहा है। कृषि महाविद्यालय रायपुर के सभागृह में आयोजित इस कार्यशाला का शुभारंभ प्रदेश के कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे करेंगे। शुभारंभ समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश के कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ. कमलप्रीत सिंह, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप महानिदेशक डॉ. टी.आर. शर्मा, सहायक महानिदेशक डॉ. संजीव शर्मा, भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर के निदेशक डॉ. बंसा सिंह तथा भारतीय धान अनुसंधान संस्थान हैदराबाद के निदेशक डॉ. आर.एम. सुंदरम भी उपस्थित रहेंगे। समारोह की अध्यक्षता इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल करेंगे। इस दो दिवसीय रबी दलहन कार्यशाला में चना, मूंग, उड़द, मसूर, तिवड़ा, राजमा एवं मटर का उत्पादन बढ़ाने हेतु नवीन उन्नत किस्मों के विकास एवं अनुसंधान पर विचार-मंथन किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि भारत में हरित क्रांति अभियान के उपरान्त देश ने अनाज उत्पादन के क्षेत्र में आत्म निर्भरता हासिल कर ली है और आज हम मांग से ज्यादा अनाज का उत्पादन कर रहें हैं लेकिन आज भी हमारा देश दलहन एवं तिलहन फसलों के उत्पादन के मामले में आत्मनिर्भर नहीं बन सका है और इन फसलों का विदेशों से बड़ी मात्रा में आयात करना पड़ता है। वर्ष 2021-22 में भारत ने लगभग 27 लाख मीट्रिक टन दलहनी फसलों का आयात किया है। देश को दालों के उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के लगातार प्रयास किये जा रहें हैं। केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा किसानों को दलहनी फसलें उगाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा चावल निर्यात को प्रोत्साहन देने का असर

मंडियों में समर्थन मूल्य से भी ज्यादा मूल्य पर बिक रहा ग्रीष्मकालीन धान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप राज्य के किसानों के हित में चावल निर्यात को प्रोत्साहन देने के लिए मंडियों में धान के क्रय से मंडी शुल्क एवं किसान शुल्क पर पूर्णतः छूट देने के निर्णय के फलस्वरूप किसानों को ग्रीष्मकालीन धान के विक्रय पर प्रति क्विंटल 250-300 रूपए अधिक कीमत मिलने लगी है। मंडियों में ग्रीष्मकालीन धान समर्थन मूल्य से भी ज्यादा कीमत पर किसान बेच रहे है। वर्तमान में मंडियों में ग्रीष्मकालीन धान 1800-1950 रूपए प्रति क्विंटल की दर पर बिक रहा है, जिसका सीधा लाभ राज्य के किसानों को मिल रहा है। रबी सीजन के धान का विक्रय किसानों द्वारा मंडियों में किया जाता है। बीते वर्ष मंडियों में रबी सीजन का धान 1600 से 1650 रूपए कीमत बिका था।

गौरतलब है कि राज्य शासन द्वारा चावल के निर्यात को प्रोत्साहन देने के लिए मंडियों के माध्यम से क्रय धान से प्रसंस्कृत चावल के निर्यात पर 12 जुलाई 2022 से मंडी शुल्क एवं कृषक कल्याण शुल्क पर पूर्णतः छूट प्रदान की गई है, जिसके फलस्वरूप विक्रेता कृषकों को रबी फसल धान की कीमत समर्थन मूल्य से भी अधिक लगभग 1800 से 1950 रू. प्राप्त हो रही है। इस साल 22 जुलाई से 15 अगस्त 2022 की अवधि में प्रदेश के मंडियों में कृषकों द्वारा लगभग 18 लाख 53 हजार क्विंटल धान का क्रय-विक्रय किया गया है। विक्रेता कृषकों को बीते वर्ष की तुलना में इस वर्ष 250 से 300 रूपए प्रति क्विंटल की दर से लगभग 55 करोड़ 90 लाख रूपए की राशि अधिक प्राप्त हुई है, जिसका सीधा लाभ राज्य के 92 हजार 650 कृषकों को मिला हैं। छत्तीसगढ़ शासन किसान हितैषी नीतियों के चलते बीते साढ़े तीन वर्षों में किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई है। रबी धान की कीमत अधिक मिलने से किसान प्रसन्न है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य में कृषि को समृद्ध और किसानों को खुशहाल बनाने के लिए कई बड़े फैसले लिए गए हैं। किसानों के ऊपर बकाया 9270 करोड़ रूपए का अल्पकालीन कृषि ऋण और 244 करोड़ रूपए सिंचाई कर की माफी की गई। राज्य में फसल उत्पादकता एवं विविधिकरण को बढ़ावा देने के लिए राजीव गांधी किसान न्याय योजना के माध्यम से किसानों को अब तक 12 हजार 920 करोड़ रूपए की इनपुट सब्सिडी देने के फलस्वरूप राज्य में खेती-किसानी के प्रति रूझान बढ़ा है। राज्य में धान उत्पादक किसानों और धान की उत्पादकता में उल्लेखनीय बढ़ोत्तरी हुई है। खरीफ धान की राज्य में समर्थन मूल्य पर खरीदी की बेहतर व्यवस्था और किसानों द्वारा बेचे गए धान के एवज में तत्काल भुगतान के चलते साल दर साल धान की रिकार्ड खरीदी हो रही है। बीते खरीफ विपणन वर्ष में 98 लाख मेट्रिक टन धान की खरीदी समर्थन मूल्य पर कर किसानों को 19 हजार करोड़ से अधिक की राशि का भुगतान किया गया।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

मेकर्स के साथ-साथ आमिर को भी भारी नुकसान खतरे में मिस्टर परफेक्शनिस्ट की कुर्सी!

आमिर खान सिनेमा जगत में अपने शानदार काम के लिए जाने जाते हैं। उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर धुआंधार कमाई करती हैं और इसी वजह से उनकी फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही थी। मेकर्स और खुद आमिर खान इस फिल्म को लेकर काफी कॉन्फिडेंट थे लेकिन जब फिल्म रिलीज हुई तो इसके प्रदर्शन ने हर किसी को हैरान कर दिया। दर्शकों ने फिल्म की कहानी को बोरिंग बताया। ऐसे में इसकी कमाई भी दिन ब दिन गिरती जा रही है। फ्लॉप होती इस फिल्म से मेकर्स को करोड़ों का नुकसान हुआ है लेकिन 'लाल सिंह चड्ढा' के खराब प्रदर्शन से आमिर खान को कितना नुकसान हुआ?

काम नहीं आई चार साल बाद वाली वापसी

आमिर खान सिनेमा जगत के मिस्टर परफेक्शनिस्ट हैं और इसी वजह से उनके लिए कहा जाता है कि वह अपनी फिल्म में पूरी जान डाल देते हैं। ऐसे में दर्शकों के बीच भी अभिनेता की फिल्मों का जबरदस्त बज बना रहता है। इस बार आमिर खान चार साल बाद सिनेमाघरों में लौटे हैं। उनकी पिछली फिल्म 'ठग्स ऑफ हिंदुस्तान' बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही थी। इसके बाद भी लोगों ने 'लाल सिंह चड्ढा' से काफी उम्मीदें लगाई थीं, जिसे अभिनेता पूरी नहीं कर पाए। हालांकि, आमिर खान ने फिल्म 'मंगल पांडे' के समय भी चार साल का गैप लिया था और यह फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिटी थी।

खान तिकड़ी में पीछे होंगे आमिर?

बॉलीवुड में खान तिकड़ी हमेशा सब पर भारी रही है, जिसमें आमिर खान, शाहरुख खान और सलमान खान का नाम है। इन तीनों कलाकारों के नाम से ही फिल्में हिट होने का दम रखती थीं लेकिन अब ऐसा नहीं है। आमिर खान की फिल्मों पर लोगों का भरोसा कम हो रहा है, जिसका सबूत लाल सिंह चड्ढा' की कमाई है। हालांकि, शाहरुख खान और सलमान खान भी लंबे समय से अच्छी फिल्म नहीं दे पाए हैं, जिस वजह से बॉलीवुड के खान्स का समय अभी सही नहीं चल रहा है।

बयान से खराब हुई इमेज

आमिर खान ने साल 2015 में एक बयान दिया था, जिसमें अभिनेता ने कहा था कि देश में कई घटनाओं ने उन्हें चिंतित कर दिया है और उनकी पत्नी किरन राव ने उन्हें देश छोड़ने तक का सुझाव दे दिया था। अभिनेता के इस बयान पर उन दिनों खूब बवाल हुआ था। इस बयान के बाद ही फिल्म 'दंगल' की रिलीज के खिलाफ प्रदर्शन भी हुए थे। हालांकि, यह फिल्म हिट रही थी। लेकिन लोगों का गुस्सा 'लाल सिंह चड्ढा' के समय भी निकला और फिल्म का हाल सब देख रहे हैं।

अब तक बजट नहीं निकाल पाई फिल्म

आमिर खान की लगभग हर फिल्म ने बंपर ओपनिंग की है और 'लाल सिंह चड्ढा' के लिए भी शानदार ओपनिंग की बात कही जा रही थी। लेकिन फिल्म ने पहले दिन सिर्फ 11.7 करोड़ की कमाई करके फैंस को हैरान कर दिया। दूसरे दिन फिल्म का कारोबार सिर्फ 7.26 करोड़ रुपये रहा था। रविवार को 'लाल सिंह चड्ढा' की कमाई में बढ़ोतरी दर्ज हुई और तीसरे दिन का कलेक्शन 9 करोड़ रुपये रहा। चौथे दिन इस फिल्म ने 10 करोड़ रुपये और पांचवें दिन 7.50 करोड़ रुपये ही कमाई की। 180 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म का टोटल कलेक्शन अब तक सिर्फ45.46 करोड़ रुपये हुआ है, जो काफी कम है। एक अनुमान के मुताबिक, फिल्म को लगभग 100 करोड़ का नुकसान हो सकता है।

ऋतिक रोशन की 'कृष 4' को लेकर हुआ बड़ा खुलासा

धमाकेदार ट्विस्ट्स के साथ नए कलाकारों की होगी एंट्री

बॉलीवुड के हैंडसम हंक ऋतिक रोशन इन दिनों अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ दोनों के लिए ही सुर्खियां बटोर रहे हैं। जहां अभिनेता अपनी निजी जिंदगी की एक नए सिरे से शुरुआत कर रहे हैं, वहीं वह अपने वर्कफ्रंट पर भी पूरा फोकस कर रहे हैं। वह एक तरफ अपनी फिल्म 'विक्रम वेधा' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं, दूसरी तरफ ऋतिक अपनी सुपरहिट फ्रेंचाइजी फिल्म 'कृष' के अगले पार्ट को लेकर भी खूब लाइमलाइट बटोर रहे हैं। पिछले साल हुई फिल्म की घोषणा के बाद से यह लगातार चर्चा में बनी हुई है। सिनेमाप्रेमी इसके बारे में हर चीज जानने के लिए काफी उत्सुक हैं और इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार भी कर रहे हैं। ऐसे में 'कृष 4' को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आ रहा है, जिसे सुनने के बाद इसके प्रशंसक काफी खुश हो जाएंगे।

कहानी को लेकर आया नया अपडेट

अपनी फिल्मों को लेकर आए दिन चर्चाओं में बने हुए ऋतिक रोशन की बहुप्रीक्षित फिल्म 'कृष 4' की कहानी को लेकर एक बहुत बड़ा और इंटरेस्टिंग अपडेट सामने आ रहा है। दरअसल, एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि 'कृष 4 की कहानी वहीं से आगे बढ़ेगी जहां पर फिल्म कृष 3 का अंत हुआ था। फ्रेंचाइजी का यह चौथा पार्ट कृष 3 की कहानी को आगे जरूर लेकर जाएगा, लेकिन इसमें नए कैरेक्टर्स होंगे। इतना ही नहीं इस फिल्म की कहानी में पहले से ज्यादा रोमांचक ट्विस्ट्स दिखाए जाएंगे।

स्क्रिप्ट के बाद होगी शूटिंग की प्लानिंग

'कृष 4' के प्लॉट को समझाने के साथ-साथ रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि निर्देशक राकेश रोशन इन दिनों फिल्म की स्क्रिप्ट पर तेजी से काम कर रहे हैं। वर्तमान समय में वह फिल्म के अहम हिस्सों की स्क्रिप्ट लिखने में व्यस्त हैं। फिल्म की स्क्रिप्ट को फाइनल टच देने के बाद ही इसकी कास्टिंग पर काम शुरू किया जाएगा। इतना ही नहीं 'कृष 4' में ऐसे-ऐसे एक्शन सीन्स होने वाले हैं, जो पहले कभी भी किसी ने नहीं देखे होंगे। ऋतिक रोशन ने साल 2006 में आई 'कृष' के 15 साल पूरे होने की खुशी में सोशल मीडिया के जरिए 'कृष 4' का एलान किया था। एलान करने के लिए अभिनेता ने फैंस के साथ एक वीडियो भी साझा किया था।

'कोई मिल गया' से शुरू हुआ था सफर

बॉलीवुड के बेहतरीन निर्देशक और ऋतिक रोशन के पिता राकेश रोशन ने 'कृष' फ्रेंचाइजी की शुरुआत साल 2003 में आई फिल्म 'कोई मिल गया' से की थी। इस फिल्म ने लोगों के दिलों में एक ऐसी जगह बनाई, जो आज भी कोई नहीं मिटा सका। इसके बाद तीन साल बाद फिल्म 'कृष' और साल 2013 में 'कृष 3' को पर्दे पर उतारा गया। दोनों ही फिल्में सुपरहिट साबित हुई थी। अब देखना होगा की दर्शक फ्रेंचाइजी के चौथे पार्ट और अपने देसी सुपरहीरो 'कृष' को कितना प्यार देते हैं।

हाउस ऑफ द ड्रैगन: सितारों ने खुले दिल से किया इस्तकबाल 'गेम ऑफ थ्रोन्स' से दो सदी पहले की महागाथा

एचबीओ की सीरीज 'हाउस ऑफ द ड्रैगन' जॉर्ज आर आर मार्टिन की किताब 'फायर एंड ब्लड' पर आधारित है जिसमें हाउस ऑफ टार्गेरियन के इतिहास को दर्शाया गया है। यह कहानी 'गेम ऑफ थ्रोन्स' में दुनिया भर के दर्शकों को आकर्षित करने वाली घटनाओं से 200 साल पहले की हैं। ये 10 एपिसोड की सीरीज डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर 22 अगस्त से हर सोमवार प्रसारित होनी शुरू हो रही है। मुंबई में आयोजित इस सीरीज के प्रीमियर पर हिंदी मनोरंजन जगत के सितारों ने खुलकर सीरीज के किरदारों का परदे पर स्वागत किया। प्रीमियर के दौरान दिखाए गए एपिसोड से हर कोई अचंभित नजर आया।

सीरीज 'हाउस ऑफ द ड्रैगन' में विसरीज के भाई डेमन टार्गेरियन का किरदार निभाने वाले अभिनेता मैट स्मिथ का काम अभिनेता जिम सर्भ को बहुत ही प्रभावशाली और दिलचस्प लगा। इस सीरीज में कुछ ऐसे लोग भी हैं जो डेनम को उत्तराधिकारी के रूप में देखना चाहते है। जिम सर्भ कहते हैं , 'डेमन की यात्रा देखना काफी रोमांचक होगा। अंतत: सिंहासन की लड़ाई के लिए निर्णय लेने वाला हाशिये पर पहुंचा भाई मुझे तो रोमांचक लगता है।

वहीं एम्मा डी आर्सी द्वारा निभाया गया राजकुमारी रेनेरा टार्गेरियन का किरदार भी कई लोगों को बहुत पसंद आया। कई लोग उस तरह की भूमिका निभाना चाहते थे। कास्टिंग डायरेक्टर और अभिनेता अभिषेक बनर्जी कहते हैं, 'राजकुमारी रेनेरा टार्गेरियन का किरदार मुझे बहुत पसंद आया। मैं अनुमान लगा सकता हूं कि वह श्रृंखला में बहुत कुछ करेगी और जब एक महिला शक्तिशाली पुरुषों के बीच एक नेता बन जाती है, तो बहुत सारी चीजें ऐसी भी होती हैं, जिन पर सहसा यकीन नहीं होता।'

वैसे देखा जाए तो 'हाउस ऑफ द ड्रैगन' के सभी किरदार एक से बढ़कर एक है। लेकिन ज्यादातर लोगों को राजकुमारी रेनेरा का ही किरदार पसंद आया। प्राजक्ता कोली के मुताबिक, 'हाउस ऑफद ड्रैगन' के शक्तिशाली ड्रैगन की वह दीवानी रही हैं। वह राजकुमारी रैनेरा टार्गेरियन के किरदार को लेकर भी काफी प्रभावित दिखीं।

यही नहीं, अभिनेत्री प्लाबिता बोरठाकुर को भी सीरीज 'हाउस ऑफ द ड्रैगन' में राजकुमारी रेनेरा टार्गेरियन की भूमिका बहुत प्रभावशाली लगी। वह कहती हैं, 'उसके अंदर बहुत ही निश्चितता और आत्मविश्वास दिखता है। कभी कभी वह वह बहुत स्पष्ट और कभी कभी बहुत भ्रमित करने वाली लगती है। इस तरह के किरदार को निभाने का अगर मौका मिले तो मैं जरूर करना चाहूंगी।'

सीरीज 'हाउस ऑफ द ड्रैगन' के प्रीमियर पर पहुंचे सितारों में जिम सर्भ, रोहित सराफ, प्राजक्ता कोली, प्लाबिता बोरठाकुर, अहाना कुमरा, रोहन जोशी, अभिषेक बनर्जी, वरुण ठाकुर, रोहन जोशी, यशस्विनी दायमा, समारा तिजोरी, अतुल कुलकर्णी और अमित टंडन जैसे सितारे सीरीज के किरदारों से काफी प्रभावित दिखे।

अक्षय ने सैफ अली खान को किया बर्थडे विश

'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' पर डांस करते नजर आए अक्षय कुमार

16 तारीख को बॉलीवुड एक्टर सैफअली खान का बर्थडे था। इस मौके पर अक्षय कुमार ने सैफको खास अंदाज में बर्थडे विश किया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर किया जिसमें खिलाडी कुमार 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' पर डांस करते हुए नजर आए। उन्होंने वीडियो शेयर कर कैप्शन में लिखा,' 28 साल हो गए हैं लेकिन #Selfiee के लिए मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी की धुन पर फिर से नाचना अभी भी सबसे प्यारी यादें वापस लाता है। 'खासतौर पर तब जब ओरिजिनल में मेरे पार्टनर-इन-क्राइम, सैफ अली खान का जन्मदिन होता है। वो सोशल मीडिया पर तो नहीं हैं लेकिन फिर भी हैप्पी बर्थडे भाई!। खिलाडी कुमार के इस वीडियो को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं।

दिशा वकानी: दयाबेन ने थिएटर से शुरू किया था एक्टिंग का सफर, शाहरुख खान की फिल्म में आ चुकी हैं नजर

चर्चित टीवी शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' की दयाबेन यानी दिशा वकानी अपना 44वां जन्मदिन मना रही हैं। दिशा वकानी टीवी की मशहूर एक्ट्रेस हैं। मगर, वह टीवी शो के अलावा फिल्मों में भी हाथ आजमा चुकी हैं। हालांकि, इन्हें पहचान मिली वर्ष 2008 से प्रसारित हो रहे शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' से। इस शो में अपने शानदार अभिनय की बदौलत दिशा ने घर-घर में अपनी खास पहचान बनाई। उनका भोलापन और एक्टिंग दर्शकों को बेहद पसंद आए। यही वजह है कि दिशा के यह शो छोड़ने के बाद भी दर्शक अभी तक उनकी वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

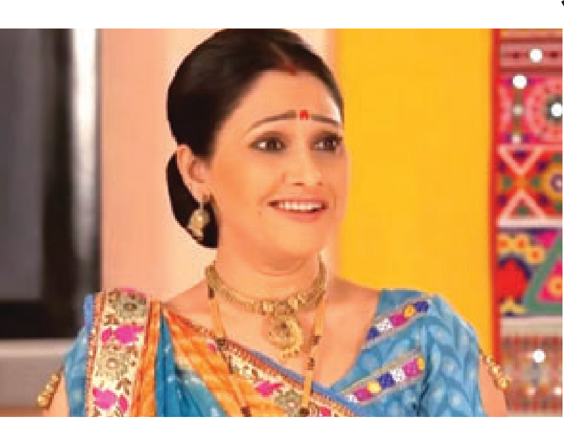

दिशा वकानी मूल रूप से गुजरात से ताल्लुक रखती हैं। इनका जन्म 17 अगस्त 1978 को अहमदाबाद में एक गुजराती जैन फैमिली में हुआ। उन्होंने गुजरात कॉलेज से ड्रेमेटिक में ग्रेजुएशन किया है। बता दें कि दिशा ने अपने करियर की शुरुआत गुजराती थिएटर में बतौर स्टेज एक्ट्रेस की। इसके बाद इन्होंने टीवी सीरियल्स में काम किया। दिशा वकानी 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' से पहले 'शुभ मंगल सावधान', 'खिचड़ी', 'इंस्टेंट खिचड़ी', 'हीरो भक्ति ही शक्ति है' और 'आहट' जैसे टीवी शो में अहम रोल निभा चुकी हैं। इसके अलावा वह वर्ष 2014 में 'सीआईडी' में भी नजर आईं।

दिशा वकानी बड़े पर्दे पर भी अपनी किस्मत आजमा चुकी हैं। वह शाहरुख खान की फिल्म 'देवदास' में नजर आईं थीं। इसके अलावा दिशा 'जोधा अकबर', 'मंगल पांडे द राइजिंग', 'लव स्टोरी 2050' जैसी फिल्मों में भी सपोर्टिंग रोल में नजर आ चुकी हैं। मगर फिल्मों में इन्हें खास पहचान नहीं मिली। शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' दिशा के करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। हालांकि वर्ष 2017 में उन्होंने मां बनने के बाद इस शो को अलविदा कह दिया था। तब से उनके शो में वापिसी के कयास लगाए जाते रहते हैं।

रिपोर्ट्स की मानें तो दिशा वकानी टीवी जगत की सबसे महंगी स्टार्स में शामिल हैं। वह तारक मेहता का उल्टा चश्मा के एक एपिसोड के लिए करीब डेढ़ लाख रुपये फीस लेती थीं। दिशा वकानी की कुल नेट वर्थ की बात करें तो 2021 की रिपोर्ट्स के मुताबिक इनके पास करीब 37 करोड़ रूपये की संपत्ति है। पर्सनल लाइफकी बात करें तो दिशा ने वर्ष 2015 में मुंबई के सीए मयूर पडिया से शादी की। कपल के दो बच्चे हैं।

रोमांटिक सॉन्ग ज्यादा गाने के सवाल पर शान का जवाब: बोले- इस जॉनर के गानों ने मेरे करियर में गेम चेंजर का काम किया

तन्हा दिल से अपने करियर की शुरुआत करने वाले और रोमांटिक गानों की शान कहे जाने वाले बॉलीवुड सिंगर शान ने अपने करियर के सफर से लेकर रियलिटी शोज पर भी बात की।

आपके करियर में कौन से गाने हैं जिन्हें आप गेम चेंजर मानते हैं?

जी हां, मेरे करियर में कुछ गाने तो गेंम चेंजर हैं, इसमें तन्हा दिल, चांद सिफारिश और बहती हवा सा था वो। तन्हा दिल से ही मुझे करियर में पहचान मिली है। मेरे किसी भी शो में सबसे ज्याद अगर किसी गाने की सिफारिश होती है तो है चांद सिफारिश।

आपने करियर में रोमांटिक गाने ही सबसे ज्यादा गाए ऐसा क्यों?

सिर्फ रोमांटिक गाने गाए हैं ऐसा नहीं है। बहुत सारे डांस नंबर और अलग-अलग जॉनर के भी गाने गाए हैं, लेकिन रोमांटिक गाने ज्यादा बनते हैं। हां मैंने अपने करियर में ज्यादा एग्रेसिव गाने नहीं गाए हैं इसलिए लोगों को यह लगता है कि रोमांटिक ही गाने गाता हूं।

पहले और अभी की म्यूजिक इंडस्ट्री में क्या फर्क है?

बहुत सारे बदलाव आए हैं टेक्निक के हिसाब से भी और ऑडियंस के टेस्ट में भी। घूम के बात वहीं आती है कि अच्छी ट्यून हो, अच्छे शब्द हों और उसे कोई प्यार से गा देता है तो वह गाना लंबे वक्त तक लोगों के जेहन में रहता है।

कोरोना के बाद लाइव परफॉर्मेंस में अब कैसी सावधानियां बरतनी पड़ती हैं?

कोरोना के बाद दो गज की दूरी मास्क है जरूरी वाला सीन अभी रहता ही है। आज के समय में कॉन्सर्ट्स बेधड़क और बेफिक्र होने बंद हो गए हैं। थोड़ा डर रहता है, लेकिन जोश आने के बाद लोग कुछ देर के लिए भूल भी जाते हैं।

रियलिटी शो सच्चे होते हैं या स्क्रिप्टेड?

पूरी तरह से स्क्रिप्टेड तो नहीं होता है, कुछ पार्ट भी इसलिए स्क्रिप्टेड होता है जिससे घर बैठी ऑडियंस एंटरटेन होती रहे और लोगों को कुछ गॉसिप भी मिलती रहे। मैं आजकल के शोज में जो देखता हूं उसमें एक चीज यह होती है कि आप जो पॉजिटिव तरीके से क्रिटिसाइज करते हो उसे काट दिया जात है। ऑन एयर थोड़ा सनसनी चीजें रखते हैं।

हिंदी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर क्यों नहीं चल रही?

ओटीटी में नया कंटेट देखकर लोगों का टेस्ट बदल गया है। वही चीज फिर आदमी बड़े पर्दे पर देखता है तो नकार देता उसे पसंद नहीं करता है। साउथ के सिनेमा में कुछ अलग फ्लेवर पसंद आ रहा है, जिसके कारण उनकी दिलचस्पी बढ़ रही है। इन सबके बीच मैं यही चाहता हूं हमारी हिंदी फिल्म इंडस्ट्री उसमें ढेर सारी हिट फिल्में हों और वही पुराना दौर वापस आ जाए।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

SHRI SAI
COMMERCE COACHING
A Complete Commerce Solution
ONLINE CLASS
XI XII B.COM
CA/CS/CMA
Registration Open
KHOOBI SIR- Director
Sirsa Road, Kohka, Bhilai, Mo.-98935-82241
www.shri.sai.commercecoaching.com

YOGESH COMPUTER
Sales & Service
All Computer Peripherals & Repairing
Hardware
CCTV Camera
Networking
Software
Yogesh Sirame
Mo-9893342971
7748064280
Azad Chowk, Muktidham Road
Ramnagar, Supela, Bhilai
Email : sirameyogesh@gmail.com

Paul Sir
BANK P.O.
&
CLERK,
MBA,
RLY.,
SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER,
Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरल उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

अधिकारियों को दूरस्थ क्षेत्रों का भ्रमण करने कलेक्टर ने दिये निर्देश

कांकेर। जिले के दूरस्थ क्षेत्रों का भ्रमण कर शासन द्वारा संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी लेने तथा लोगों की समस्याओं को हल करने के लिए आवश्यक पहल करने कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला ने जिले के सभी कार्यालय प्रमुख अधिकारियों को निर्देशित किया है। लोक निर्माण विभाग, स्वाथ्य विभाग, शिक्षा विभाग, आदिवासी विकास, खाद्य विभाग सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों और सभी एसडीएम, तहसीलदार एवं जनपद सीईओ को अपने क्षेत्रों का लगातार भ्रमण करने के निर्देश दिये गये हैं। बाढ़ प्रभावित एवं दुर्गम क्षेत्रों के गांवों का दौरा सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रमुख अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि इस सप्ताह कोयलीबेड़ा व पखांजूर क्षेत्र का भ्रमण किया जाये तथा जो कार्य किये जा सकते हैं उसकी जानकारी उपलब्ध कराया जावे। गांव के क्षतिग्रस्त कच्चे मकानों को चिन्हांकित कर वहां निवास करने वाले परिवारों को सुरक्षित स्थानों में शिफ्ट करने तथा फसल क्षति का आंकलन कर आरबीसी 6-4 के तहत् 15 दिवस के भीतर सहायता राशि उपलब्ध कराने के लिए एसडीएम, तहसीलदार को निर्देशित किया गया है।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन अब 30 सितम्बर तक

धमतरी। जिले में संचालित सभी शासकीय, अशासकीय महाविद्यालय, नर्सिंग महाविद्यालय, आईटीआई, पॉलीटेक्निक में पढ़ने वाले अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों की पोस्ट मेट्रिक छात्रवृत्ति कक्षा बारहवीं से उच्चतर का पंजीयन स्वीकृति एवं वितरण की कार्रवाई ऑनलाइन की जा रही है। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग ने बताया कि कुछ महाविद्यालयों में विद्यार्थियों के प्रवेश विलम्ब से प्रारंभ होने तथा परीक्षा परिणाम घोषित नहीं होने के फलस्वरूप तिथि में वृद्धि की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष 2022-23 के लिए विद्यार्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदन हेतु नवीन/नवीनीकरण की तिथि 16 अगस्त से 30 सितम्बर तक तय की गई है। इसी तरह ड्रॉफ्ट प्रपोजल लॉक करने के लिए 10 अक्टूबर तक और सेंक्शन ऑर्डर लिक लॉक करने के लिए 20 अक्टूबर तक तिथि निर्धारित किया गया है।

खेल प्रतियोगिताओं से युवाओं को मिलती है प्रेरणाः भूपेश बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेलभारतीय बैडमिंटल संघ द्वारा आयोजित जूनियर नेशनल बैडमिंटन टीम के चयन प्रक्रिया के लिए आयोजित प्रतियोगिता के समापन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं से दर्शक दीर्घा में बैठे दर्शकों के साथ-साथ प्रदेश में युवाओं को प्रेरणा मिलती है तथा उनका उत्साहवर्धन होता है। उन्हें लगता है कि वे भी इन खिलाड़ियों की तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन प्रदर्शन कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने प्रतिभागी खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना की और उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज इस जूनियर बैडमिंटन टीम के चयन प्रक्रिया के लिए प्रतिभागी खिलाड़ियों के खेल को देखकर दर्शकगण रोमांचित हो उठे। उनका खेल देखकर मुझे भी बहुत अच्छा लगा। खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर को देखकर दर्शकों की धड़कने भी बढ़ने लगी। खिलाड़ियों ने उम्दा खेल का प्रदर्शन किया। श्री बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में इस प्रकार का आयोजन पहली बार हुआ है, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों के खिलाड़ियों ने भागीदारी की। छत्तीसगढ़ में इन खिलाड़ियों को अच्छी से अच्छी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कॉमनवेल्थ खेल प्रतियोगिता में हमारे देश के साथ-साथ प्रदेश के कुछ खिलाड़ियों ने पदक जीता ऐसे खिलाड़ियों पर हमें गर्व है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे विश्वास है कि इस प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ी देश का नाम रोशन करेंगे। मुख्यमंत्री ने जूनियर राष्ट्रीय बैडमिंटन टीम के लिए चयनित खिलाड़ियों का सम्मान किया। इस अवसर पर प्रसिद्ध प्रशिक्षक श्री संजय मिश्रा सहित अन्य बैडमिंटन खिलाड़ी उपस्थित थे। पहले हिस्से में छत्तीसगढ़ में चलाई जा रही गोधन न्याय योजना, राजीव गांधी किसान न्याय योजना, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम विद्यालय सहित नवाचारी योजनाओं को प्रदर्शित किया गया है। जबकि प्रदर्शनी के दूसरे हिस्से में देश के स्वतंत्रता आंदोलन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले छत्तीसगढ़ के महान क्रांतिकारियों के योगदान को चित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी में आजादी की लड़ाई में छत्तीसगढ़ के क्रांतिकारियों का योगदान, अमर क्रांतिकारियों के महत्वपूर्ण दस्तावेज, स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान उनकी जीवन यात्रा, भारत छोड़ो आंदोलन एवं स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में उनके योगदानों को प्रदर्शित किया गया है। हमर तिरंगा अभियान पर केन्द्रित फिल्म का प्रदर्शन भी प्रदर्शनी स्थल पर किया जा रहा हैं। उल्लेखनीय है कि दिनांक 12 से 15 अगस्त के मध्य भारतीय बैडमिंटन संघ द्वारा छत्तीसगढ़ (रायपुर) में भारतीय जूनियर बैडमिंटन खिलाड़ियों के सलेक्शन ट्रायल का आयोजन किया गया। चयन प्रक्रिया में राष्ट्रीय वरीयता क्रम के प्रथम 4 खिलाड़ी तथा विश्व वरीयता क्रम के प्रथम 20 खिलाड़ियों को आमंत्रित किया गया। इस स्पर्धा में 60 खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ी विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेंगे।

शिवनाथ नदी में बाढ़ का कहर, गांवों से शहर तक के घरों में घुसा पानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। पिछले सप्ताह झमाझम हुई बारिश से दुर्ग जिले के अलावा पड़ोसी जिला राजनांदगांव के सभी नदी-नाला और जलाशय उफान पर आ गए है। जिससे शिवनाथ नदी में सोमवार की रात से बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है। फलस्वरुप दुर्ग जिला में शिवनाथ नदी के तट से लगे गांवों और शहरी क्षेत्र के कुछ इलाकों में पानी घुसने से जिला प्रशासन की चिंता बढ़ गई है।

दोपहर की स्थिति तक दुर्ग-राजनांदगांव मार्ग पर शिवनाथ नदी के पुराने पुल के ऊपर से करीब 8 फीट पानी चल रहा था, वहीं महमरा एनीकेट के ऊपर से करीब 14 फीट पानी बह रहा था। जिसका असर दुर्ग के शहरी क्षेत्रों में भी नजर आया।वर्षो बाद पुलगांव नाला ओव्हरब्रिज तक पानी पहुंचने से आसपास के रहवासियों में हडकंप मचा हुआ है। जिसकी वजह से दुर्ग-पुलगांव चौक मार्ग.पर आवाजाही को गंजपारा चौक से ही बेरीकेट्स लगाकर बंद कर दिया गया है। जिससे दुर्ग-राजनांदगांव मार्ग पर यातायात प्रभावित रहा। शिवनाथ नदी तट के किनारे स्थित ठाकुर पान ठेला और उसके पीछे स्थित बस्ती में 3 फीट तक पानी पहुंच गया है। पुलगांव बस्ती में 5 फीट तक पानी घुसने से रहवासी परेशान रहे। महमरा रोड पर 4 फीट तक पानी आ गया है। दुर्ग शहर के रहवासी क्षेत्र महेश कालोनी के घरों में भी पानी घुस गया है। कालोनी में जन्माष्टमी के अवसर पर नवधा परायण पाठ का आयोजन किया जा रहा था। आयोजन स्थल पर लबालब पानी भर गया है। शिवनाथ नदी में बाढ़ ने महेश कालोनी के लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। जलाराम वाटिका के पास करीब 4 फीट पानी भरा हुआ है, वहीं पुलगांव बस्ती से जलाराम वाटिका तक मार्ग के अगल-बगल खेतों ने तालाब का रुप ले लिया है। पोटिया रोड स्थित नाला में भी पानी का जमाव हो गया है। दोपहर तक मार्ग में डेढ़ फीट पानी चल रहा था। शिवनाथ नदी मुक्तिधाम रोड भी पानी से प्रभावित रहा। पुलगांव नाला ओव्हरब्रिज के पास स्थित नवकार परिसर भी पानी से लबालब रहा। रिलायंस पेट्रोल पंप में करीब 3 फीट पानी भर गया था। जिससे पेट्रोल पंप का संचालन बंद रहा। शिवनाथ तट से लगे गांव चंगोरी, बेलौदी, कोटनी, पीपरछेड़ी,महमरा, खाड़ा, रुदा, बोथली व आसपास के गांवों में पानी घुस गया है। जिससे ग्रामीण परेशान रहे। शिवनाथ के रुद्र रुप से प्रभावित ग्रामीणों व शहरी लोगों को शिवनाथ नदी तट स्थित गुरुद्वारा, वृंदावन रेस्टोरेंट व अन्य स्थानों में ठहराने की व्यवस्था की गई है। विधायक अरुण वोरा मंगलवार को बाढ़ प्रभावित शहरी क्षेत्रों में पहुंचे। यहां उन्होने प्रभावितों का हालचाल जाना और उनके ठहरने व भोजन की व्यवस्था की। ग्राम अरसनारा में बाढ़ में फंसे 3 लोगों को मंगलवार को एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू अभियान चला कर निकाला और सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया।

शिवनाथ नदी में बाढ़ का प्रभाव दुर्ग-धमधा मार्ग पर भी रहा।समोदा नाला में पानी भरने से आवागमन बंद करना पड़ा। पथरिया नाला में भी पानी भरा रहा। लेकिन लोग दूसरे मार्गो से होकर दुर्ग और धमधा की ओर आते-जाते नजर आए।जल संसाधन विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक तांदुला, खरखरा व मटीमोरी जलाशय का पानी कई वर्षो बाद छलका है। जिसका वजह से तांदुला से 11 हजार 290 क्यूसेक,खरखरा मोहदीपाट जलाशय से 9270 क्यूसेक व माटीमोरी जलाशय से 248 क्यूसेक पानी वेस्टवीयर हुआ है।

अधिकारों के साथ नैतिक दायित्वों का पालन जरूरी - पूजा पिल्लै

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। लाल बहादुर शास्त्री पार्क नेहरू नगर पूर्व पार्क में मुस्कुराते रहो योग ग्रुप के व्दारा स्वतंत्रता दिवस हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया । समारोह की मुख्य अतिथि पूजा पिल्लै जोन कमिश्नर नगर पालिक निगम भिलाई थी विशिष्ठ अतिथि उद्योगपति अजीत सिंह एवं प्रमोद वास्तव थे, अध्यक्षता स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेन्द्र मिश्रा ने की। मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों के व्दारा ध्वजारोहण एवं लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। स्वागत भाषण में नरेन्द्र वास्तव ने मुस्कुराते रहो योग ग्रुप की भूरि भूरि प्रशंसा की।

योग प्रशिक्षक शैलेन्द्र वास्तव ने ग्रुप की गतिविधियों की विस्तार से जानकारी दी। विशिष्ठ अतिथि धर्मेन्द्र मिश्रा ने शहीदों के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए स्वच्छता पर विशेष बल दिया तथा नगर पालिक निगम व्दारा किए जा रहे कार्यों को विस्तार से बताया। मुख्य अतिथि पूजा पिल्लै ने शहीदों को नमन करते हुए नागरिकों को अपने अधिकारों के साथ नैतिक दायित्वों के पालन पर विशेष बल दिया। उन्होंने अपने सारगर्भित उद्बोधन में कहा कि महिलाओं एवं लड़कियों को स्वस्थ,आत्मनिर्भर

माता, बहन, पत्नी, और बेटी के कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए स्वयं पर भी ध्यान देना चाहिए । कार्यक्रम का संचालन कांत वास्तव ने किया एवं आभार बी एल असाठी ने दिया।

इस अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में सत्येश शर्मा रिदिमा चन्द्राकर, हर्षिता खण्डेलवाल, विनय चंद्राकर, जी व्हीआर राजा,देवब्रत देवांगन, मधु गोयल, वैशाली अग्रवाल, डाक्टर अरुन्धति खण्डेलवाल, लीना चंद्राकर, मनीषा यादव, चित्रलेखा जोशी, रेणु शर्मा, रीना सिंह, मन्जु असाठी, एवं लड़कियों में राशि परेता, तान्या सिंह,मोहिनी असाठी, मयूरी असाठी, मान्या सिंह पी के रे, ने अपनी सहभागिता दी। धर्मेन्द्र मिश्रा, अजीत सिंह, विनय चन्द्राकार, निरंजन असाठी, संजय गोप का सहयोग प्रशंसनीय रहा ।

कैट सी.जी. चैप्टर के प्रदेश कार्यालय में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, अमर गिदवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्र सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन, कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल एवं मीड़िया प्रभारी संजय चौंबे ने बताया कि आजादी के अमृत महोत्सव में कैट सी.जी. चैप्टर के प्रदेश कार्यालय में 76वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। ध्वजारोहण कार्यक्रम के मुख्य अथिति कैट के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफकॉमर्स एण्ड् इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष श्री अमर पारवानी जी थे।

कैट के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री अमर पारवानी ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव में जैसा कि आप सभी जानते ही है कि आज हम यहाँ पर अपने देश का 76वां स्वतंत्रता दिवस मनाने के उपलक्ष में एकत्रित हुए है। सबसे पहले मैं आप सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई देता हूँ। 15 अगस्त भारतवर्ष का राष्ट्रीय पर्व है। भारत देश वर्ष 1857 से वर्ष 1947 तक स्वतंत्रता संग्राम लड़ने के पश्चात ब्रिटिश शासन से 15 अगस्त वर्ष 1947 को मुक्त हुआ और एक स्वतंत्र राष्ट्र बना। तभी से भारतवासी इस दिन को स्वतंत्रता दिवस के रूप में बहुत धूम-धाम और हर्षोउल्लास से मनाते है।

कैट के प्रदेश अध्यक्ष श्री जितेन्द्र दोशी ने सर्वप्रथम भारत माता के तस्वीर पर माल्यापर्ण कर ध्वजारोहण किया। तत्पश्चात् ध्वजारोहरण कार्यक्रम में उपस्थित कैट के पदाधिकारियों एवं व्यापारीगणो को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज हम देश की 76वीं स्वंतत्रता दिवस मना रहे है। 15 अगस्त भारत देश के गर्व और सौभाग्य का दिवस है। यह पर्व हमारे हृदय में नवीन स्फूर्ति, नवीन आशा, उत्साह तथा देश-भक्ति का संचार करत है।

स्वतंत्रता दिवस हमे इस बात बात की याद दिलाता है कि हमने कितनी कुर्बानियाँ देकर यह आजादी प्राप्त की है, जिसकी रक्षा हमे हर कीमत पर करनी है। चाहे हमे इसके लिए अपने प्राणों का त्याग क्यों न करना पड़ें। हम राष्ट्र की स्वतंत्रता और सार्वभौमिकता की रक्षा का प्रण लेते। आजादी के बाद भारत देश अब तक बहुत उन्नति कर चुका है। उन्होनें आगे कहा कि आओं झुककर करें सलाम उनकों जिनके हिस्से में ये मुकाम आता है। खुशनसीब होतें है वों लोग जिनका लहू इस देश के काम आता है। जयहिन्द ।

ध्वजारोहण कार्यक्रम में कैट के पदाधिकारी एवं व्यापारीगण मुख्य रूप से उपस्थित रहे:- अमर पारवानी, जितेन्द्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वासु माखीजा, भरत जैन, राकेश ओचवानी, कैलाश खेमानी, पवन वाधवा, कन्हैया गुप्ता, प्रीतपाल सिंह बग्गा, महेश खिलोसिया, जयराम कुकरेजा, विजय जैन, सतीश श्रीवास्तव, मोहन वर्ल्यानी, परमानन्द जैन (सायकल एसोसियेशन) श्याम माहेश्वरी (इलेट्रिकल एसोसियेशन) जीवत बजाज (प्लास्टिक निर्माता एवं विक्रेता एसोसियेशन) प्रथ्वीपाल सिंह छाबड़ा (द रायपुर थोक कपड़ा व्यापारी संघ) गोविन्द चिमनानी (थोक स्टेशनरी व्यापारी संघ) गौतम बरड़िया, मूलचन्द खत्री एवं महेन्द्र बागरोड़िया सहित अन्य व्यापारीगण उपस्थित रहे।

बेसहारा और विक्षिप्त लोगों को चिन्हांकित करेंगे राजीव युवा मितान क्लब के सदस्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शहर में कुछ लोग मानसिक रूप से विक्षिप्त एवं बेसहारा लोग घूमते नजर आते हैं। कभी कभी कुछ बुजुर्ग महिलाओं को भी भिक्षावृत्ति के लिए चौक-चौराहों पर देखा जा सकता है। ऐसे लोगों को चिन्हांकन करने का कार्य राजीव युवा मितान क्लब के सदस्य करेंगे। यह निर्देश समीक्षा बैठक में कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने दिये। कलेक्टर ने कहा कि इस तरह की सोद्देश्यपूर्ण सामाजिक गतिविधियों से राजीव युवा मितान क्लब के सदस्यों की ऊर्जा का उचित उपयोग किया जा सकता है। विक्षिप्त लोगों को चिन्हांकित करने के पश्चात इनका इलाज स्वास्थ्य विभाग करेगा। बेसहारा लोगों की जानकारी लेकर एसडीएम इनके पुनर्वास की व्यवस्था करेंगे। सदस्य सेरेब्रल पाल्सी, पैरालिटिक पेशेंट्स आदि की जानकारी भी लेंगे ताकि इनके फिजियोथैरेपी आदि की व्यवस्था की जा सके। बैठक में अपर कलेक्टर अरविंद एक्का, जिला पंचायत सीईओ अश्विनी देवांगन, डीएफओ शशि कुमार, भिलाई निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर, दुर्ग निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में कलेक्टर ने कृष्ण कुंज की समीक्षा भी की। डीएफओ ने बताया कि इसके लिए वेबसाइट भी बनाई गई है। नागरिक कृष्ण कुंज में स्वेच्छा से पौधे भी गोद ले सकते हैं। इसके लिए निर्धारित राशि देनी होगी। कलेक्टर ने कहा कि यह अच्छी पहल है इसके माध्यम से हर नागरिक पर्यावरण को बढ़ावा देने अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। इनके पेड़ों की सुरक्षा और देखभाल कृष्ण कुंज में लगा सुरक्षा दस्ता करेगा। जिला स्तरीय एवं ब्लाक स्तरीय अधिकारियों ने बैठक में कहा कि सभी एक पौधा गोद लेंगे।

जन्म के एक महीने बाद जाति प्रमाणपत्र, पाटन से शुरू होगा प्रयोग- कलेक्टर ने जाति प्रमाणपत्र के आवेदनों की समीक्षा भी की। उन्होंने कहा कि इस संबंध में त्वरित कार्रवाई होती रहे, इसकी निरंतर मानिटरिंग करते रहें। उन्होंने कहा कि पाटन ब्लाक में इसके लिए एक पायलेट प्रोजेक्ट करेंगे, इसमें जन्म लेने वाले शिशुओं के अभिभावकों को शिशु का जाति प्रमाणपत्र जन्म के एक महीने के भीतर ही देने की कोशिश होगी। जिला स्तरीय अधिकारी हर महीने आश्रम-छात्रावासों की मानिटरिंग करेंगे। वहां पर उपलब्ध सुविधाओं और व्यवस्था की जानकारी लेंगे।

खास-खबर

पुल से छलांग लगाकर महिला ने किया सुसाइडः अरपा नदी में कूदते देखकर ग्रामीण ने मचाया था शोर, एसडीआरएफ को दो किमी दूर मिली लाश

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में अरपा नदी के पुल से महिला ने छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। महिला को नदी में कूदते देखकर साइकिल सवार ग्रामीण ने शोर मचाया। लेकिन, तब तक महिला तेज बहाव में आकर डूब गई थी। घटना की जानकारी मिलने के बाद एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और महिला की तलाश शुरू कर दी। करीब दो घंटे बाद एसडीआरएफ ने महिला के शव को दो किलोमीटर दूर नदी किनारे से निकाल लिया। घटना तोरवा थाना क्षेत्र की है।

पुलिस को सोमवार की सुबह करीब सात बजे जानकारी मिली कि गुरु नानक चौक स्थित अरपा नदी के छठघाट पुल के पास किसी महिला ने नदी में छलांग लगाकर कूद गई है। खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। तब तक वहां पुल में लोगों की भीड़ जुट गई थी। नदी में जलस्तर बढ़ने की वजह से तेज बहाव था। लिहाजा, पुलिस ने महिला की तलाश करने के लिए एसडीआरएफ की टीम को बुलाया।

महिला के नदी में कूदने की जानकारी मिलते ही एसडीआरएफ की टीम भी वहां पहुंच गई। इस दौरान एसडीआरएफ ने नाव की मदद से तेज बहाव में करीब एक मीटर दूर तक महिला की तलाश करती रही। लेकिन, टीम को कुछ पता नहीं चला। इधर, पुलिस और ग्रामीण भी नदी के किनारे महिला के बहकर आने की उम्मीद से दूर-दूर तक पतासाजी करते रहे। करीब दो घंटे बाद महिला की लाश दो किलोमीटर दूर नदी किनारे नजर आई। इसके बाद वहां एसडीआरएफ की टीम पहुंच गई और महिला के शव को बाहर निकाला।

मानसिक रूप से बीमार थी महिला, पहले भी घर से हो चुकी थी गायब

सोमवार को पूरे दिन पुलिस की टीम महिला के परिजनों की जानकारी जुटाती रही। लेकिन, महिला का कुछ पता नहीं चला। पुलिस ने सोशल मीडिया की मदद से महिला की तस्वीरें वायरल कर पहचान करने की कोशिश की। इधर, मंगलवार को पता चला कि तोरवा के देवरीखुर्द की रहने वाली पूजा लोकवानी (32) है। महिला के पति विनोद ने बताया कि वह मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान चलाता है। उसकी पत्नी पूजा पिछले कुछ सालों से मानसिक रूप से बीमार थी। उसका इलाज भी चल रहा था। इसके पहले भी वह दो बार बिना बताए घर से चली गई थी। मृतका महिला के दो तीन साल और छह साल का बेटा भी है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

मवेशियों से भरा कंटेनर जब्तः ठूंस-ठूंस कर भरे थे बेजुबान, 4 आरोपी गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ में पशुओं की तस्करी के लगातार सामने आ रहे हैं मामले

बेमेतरा (ए)। बेमेतरा में मवेशियों से भरा कंटेनर पकड़ा गया है। इन मवेशियों को बूचड़खाने ले जाया जा रहा था। पुलिस ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि बेमेतरा से रायपुर की ओर अवैध रूप से कंटेनर में भरकर मवेशियों को लाया जा रहा है। इसके बाद पुलिस ने वाहन की तलाश शुरू की।

इसी दौरान एक बोलेरो और कंटेनर को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें भैंसे भरी हुई थीं। जब कंटेनर चालक से मवेशियों के परिवहन से संबंधित जानकारी मांगी गई, तो वो कुछ संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने बताया कि इन मवेशियों को कत्लखाने ले जाया जा रहा है और सामने जो वाहन चल रहा है, उसी के बताए रास्ते पर वे जा रहे हैं।

इसके बाद पुलिस ने कंटेनर और बोलेरो चालक सहित 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। फिलहाल पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए जब्त वाहनों को सिटी कोतवाली लेकर पहुंची है।

महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ बॉर्डर पर भी मवेशियों की तस्करी

छत्तीसगढ़ से लगातार मवेशियों की तस्करी की खबरें निकलकर सामने आ रही हैं। शनिवार देर रात भी पुलिस ने गौवंश तस्करी कर रहे 2 ट्रकों को जब्त किया था। इसके बाद 52 मवेशियों को रेस्क्यू किया गया। वहीं लाखों रुपए का माल भी जब्त किया गया। जानकारी के अनुसार, छत्तीसगढ़ से गौवंश की तस्करी शुरू होने की जानकारी महाराष्ट्र की गढ़चिरौली पुलिस को मिली थी। गढ़चिरौली छत्तीसगढ़ राज्य से सटा हुआ इलाका है।

जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक अंकित गोयल के मार्गदर्शन में पेंढरी के उपविभागीय पुलिस अधिकारी मयूर भुजबल ने योजना तैयार की। इस बीच पुलिस मदद केंद्र गट्टा (फुलबोड़ी), चातगांव, धानोरा पुलिस थाना अंतर्गत नाकेबंदी की गई। इस बीच पुलिस टीम ने चातगांव पुलिस को सूचना देकर सतर्क किया। इसकी भनक लगते ही सभी तस्कर ट्रकों को छोड़कर घटनास्थल से फरार हो गए। चातगांव पुलिस ने गौवंश से भरे ट्रकों को जब्त कर लिया।

मुंगेली में बूचड़खाने ले जाते हुए भी पकड़ा गया था मवेशियों से भरा ट्रक

अभी अगस्त के पहले हफ्ते में भी मुखबिर की सूचना पर मवेशियों की तस्करी करते हुए एक ट्रक को पकड़ा गया था। ट्रक से 16 मवेशियों को छुड़ाया गया था। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। इस साल फरवरी में बिलाईगढ़ में भी एक कंटेनर मवेशियों की तस्करी करते हुए पकड़ा गया था। पुलिस ने 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। बरपाली के पास गिधौरी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 41 मवेशियों को रेस्क्यू किया था।

घर में घुसकर 17 साल की लड़की से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

भिलाई। टाउनशिप में दिन दहाड़े घर में घुसकर किशोरी से बलात्कार करने वाले आरोपी को भिलाई नगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी सेक्टर-6 निवासी दया सागर साहू भागने के फिराक में थे। शिकायत दर्ज होते ही भिलाई नगर पुलिस ने छापेमारी कर उसे पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। भिलाई नगर थाना प्रभारी राजेश साहू ने बताया कि 11 जुलाई 2022 की दोपहर 17 साल की किशोरी घर में अकेली थी। उसी दौरान आरोपी दया सागर साहू आया और दरवाजा खटखटाया। जैसे ही किशोरी ने दरवाजा खोला दया ने उसके पेट में चाकू लगा दिया। इससे बच्ची डर गई। आरोपी ने धमकी दी कि यदि वह चिल्लाएगी तो उसे मार देगा।

इसके बाद आरोपी ने उसका मोबाइल बंद कराया और दुष्कर्म किया। इसके बाद उसने धमकी दी कि यदि वो किसी को कुछ बताएगी तो वो उसके सहित उसके घरवालों को जान से मार देगा। इससे किशोरी और परिजन काफी डर गए थे। बाद में जब किशोरी ने आत्म ग्लानि से फिनायल पीकर खुदकुशी करने की कोशिश की तो परिजन 15 अगस्त को थाने पहुंचे।

शिकायत दर्ज कराने के बाद पुलिस ने किशोरी का लाल बहादुर चिकित्सालय सुपेला में मुलाहिजा कराया। मुलाहिजा करने वाली महिला डॉक्टर का कहना है कि किशोरी के साथ दुष्कर्म हुआ है। पुलिस जांच रिपोर्ट आने का इंतजार कर रही है।

छात्र ने लगाई फांसी, मोबाइल नहीं मिलने से था परेशान, पेड़ पर लटका मिला शव

जशपुर (ए)। जशपुर जिले में एक स्टूडेंट ने फांसी लगाकर जान दे दी। वो मोबाइल फोन नहीं मिलने से कुछ दिनों से परेशान था। बताया गया कि रात के वक्त वह अपनी दादी की साड़ी फाड़ रहा था। उसकी दादी ने उससे पूछा भी था कि तुम ऐसा क्यों कर रहे हो। मगर उसने कोई जवाब नहीं दिया। अगले दिन पेड़ पर उसी साड़ी से बने फंदे से लटकी हुई उसकी लाश मिली है। मामला बगीचा थाना क्षेत्र का है।

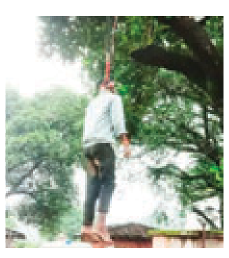

बगीचा नगर पंचायत के डुमरटोली का रहने वाला जयनारायण 12वीं का छात्र था। वो पिछले कई दिनों से घरवालों से मोबाइल फोन की मांग कर रहा था। मगर आर्थिक तंगी की वजह से परिजन उसे फोन नहीं दिला पा रहे थे। जिसके कारण वह दुखी रहता था। आशंका जताई जा रही कि छात्र ने इसी वजह से जान दी होगी।

परिजनों ने बताया कि सोमवार शाम को वह कहीं बाहर गया था। इसके बाद वह रात को 10 बजे घर आ गया था। घर आने के बाद वह अपनी दादी की साड़ी फाड़ रहा था। उसकी दादी ने भी उसे साड़ी फाड़ते देखा था। इस पर उसने उससे पूछा कि तुम साड़ी क्यों फाड़ रहे हो। मगर उसने कोई जवाब नहीं दिया। ये देखकर उसकी दादी को लगा कि पैसे खोजने के लिए वो ऐसा कर रहा होगा, क्योंकि वह इससे पहले भी ऐसा कर चुका था।

इसके बाद घर के लोग सो गए थे। जयनारायण भी अपने कमरे में चला गया था। कहा जा रहा है कि मंगलवार सुबह जब उसकी दादी सो कर उठी तो उसने घर के सामने लगे पेड़ पर जयनारायण की फंदे पर लटकी हुई लाश देखी। जयनारायण ने उसी साड़ी से फंदा बनाकर फांसी लगा ली थी। जिसके बाद परिजनों को इस घटना की जानकारी दी गई। वहीं पुलिस को भी इस बारे में बताया गया था। खबर मिलने पर मौके पर पुलिस की टीम पहुंची। अब पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

प्रापर्टी डीलर के घर पर पेट्रोल बम से हमला, तीन गिरफ्तार

रायपुर (ए)। 14 अगस्त की रात एक कार में आए बदमाशों ने शराब की बोतल में पेट्रोल भरकर प्रापर्टी डीलर के घर पर किए गए हमले में पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। मुख्य आरोपित अंकुश सिंह राजूपत ने अपने छोटे भाई और अन्य दोस्तों के जरिए ये बम बनाकर फेंका था। सिविल लाइन पुलिस ने अमन सिंह, ए. रामकुमार राव और युवराज सिंह को गिरफ्तार किया है।

प्रार्थी प्रियेश बग्गा निवासी वाइट हाउस, फारेस्ट ऑफिस कालोनी सिविल लाइन रायपुर के घर हमला हुआ था। 14 अगस्त की रात लगभग 11 बजे वह अपने घर के अंदर था। तभी इंडिवर कार में आए अज्ञात व्यक्तियों द्वारा शराब की बाटल में आग लगाकर घर की खिड़की में फेंका गया। उसके बाद कार सवार भाग निकले। पुलिस ने प्रार्थी प्रियेश से पुराने विवादों के बारे में जानकारी जुटाई। प्रार्थी द्वारा एक सप्ताह पूर्व अंकुश सिंह राजपूत से विवाद होना बताया। वहीं उसके पास ग्रे कलर का इंडिवर कार होने की बात बताई गई। अंकुश सिंह राजपूत के संबंध पतासाजी पर ज्ञात हुआ कि वह षडयंत्रपूर्वक घटना को अंजाम देने योजना तैयार कर स्वयं को बचाने नागपुर चला गया ताकि किसी को उस पर शक न हो।

प्रकरण में अंकुश सिंह के घर जाकर अंकुश सिंह घर से बाहर होने से उसके भाई अमन सिंह से पूछताछ की गई। संदेही अमन सिंह के द्वारा लगातार पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा था। कड़ाई से पूछताछ करने पर अपने साथी ए. रामकुमार, चालक युवराज सिंह के साथ मिलकर अपने भाई अंकुश सिंह के बनाए आपराधिक योजना अनुसार घटना को अंजाम देना बताया।

पहले पी शराब फिर बनाया पेट्रोल बम

आरोपी अमन सिंह, ए. रामकुमार और युवराज सिंह तीनों साथ मिलकर नया रायपुर के एक होटल के पास शराब पी और फरार आरोपित अंकुश के कहने पर अमन, रामकुमार और युवराज के द्वारा एक राय होकर पूर्व में प्रार्थी के साथ हुए विवाद का बदला लेने के लिये अपने पिए हुए खाली शराब के बाटल को गाड़ी में रख लिया। इसके बाद रास्ते में उसमें पेट्रोल भरा और फिर सामने कपड़ा लगा दिया। इसके बाद प्रियेश के घर के पास पहुंचे फिर कपड़े में आग लगाकर प्रियेश के घर फेंक दिया। घर की दीवाल से टकराकर बाटल नीचे गिर गई, वहीं आग फैलने लगी।

अस्पताल से बैटरी, इन्वर्टर और कुर्सियों की चोरी, 2 गिरफ्तार

कोरबा (ए)। कोरबा के एक अस्पताल से चोरों ने इन्वर्टर, बैटरी, कुर्सी समेत अन्य सामानों की चोरी की है। मामले की जानकारी मिलते ही अस्पताल के कर्मचारियों ने पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद पुलिस एक्शन में आई, और कुछ दिनों के अंदर ही 2 चोरों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामला उरगा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, शहर के देवनाथ अस्पताल से सामान पार करने के लिए पिछले कई दिनों से चोर प्लानिंग बना रहे थे। फिर उन्होंने कुछ दिन पहले रात के अंधेरे का फायदा उठाते हुए चोरी की वारदात को अंजाम दिया और अस्पताल से भारी मात्रा में सामान पार कर ले गए। हालांकि मामले की जानकारी जब पुलिस को मिली तो पुलिस चोरों को ढूंढने में जुट गई। जिसके बाद पुलिस ने संदेह के आधार पर अंगद कुमार उराव और जोगेंद्र कुर्रे को गिरफ्तार किया है। इन दोनों के खिलाफ पहले भी मामले दर्ज थे। पूछताछ में दोनों ने अपना जुर्म कबूल लिया। दोनों चोरों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

टेस्ट ड्राइव के बहाने बाइक लेकर भाग गया युवक, 28 दिन बाद दर्ज कराई एफआईआर

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में एक किराना व्यापारी को बाइक बेचने के लिए ओएलएक्स में एड देना महंगा पड़ गया। एड देखकर एक युवक खरीदने आया और टेस्ट ड्राइव के बहाने बाइक लेकर भाग निकला। व्यापारी 28 दिनों तक आरोपी युवक की तलाश करता रहा, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। परेशान व्यापारी ने अपनी बाइक चोरी होने की एफआईआर दर्ज कराई है। घटना सकरी थाना क्षेत्र की है।

अमेरी के सतनाम नगर निवासी उनीराम कुर्रे किराना दुकान संचालक हैं। उन्होंने करीब एक महीने पहले अपनी पल्सर बाइक को बेचने के लिए ओएलएक्स में एड दिया था। इस बीच 18 जुलाई को एक युवक उनके पास पहुंचा और ओएलएक्स में एड देखकर बाइक को खरीदने की बात कही। कहा कि वह पहले बाइक चलाकर देखना चाहता है। उनीराम उसके भरोसे में आ गया और बाइक निकालकर चाबी उसे थमा दी।

लौटने का इंतजार करता रहा व्यापारी

बाइक की चाबी मिलने के बाद युवक लेकर चला गया। काफी देर तक किराना व्यापारी उनीराम इंतजार करता रहा, लेकिन आरोपी युवक बाइक लेकर नहीं आया। इससे परेशान होकर वह शहर और आसपास युवक की तलाश करता रहा। युवक को वह न तो पहचानता था और न ही उसका पता ठिकाना मालूम था। उसने अपने परिचित और रिश्तेदारों को भी जानकारी दी। काफी तलाश के बाद भी नहीं मिला तो पुलिस के पास पहुंचा।

summer offer
on gogles flat 20% off
फ्री होम डिलेवरी
(निःशुल्क कम्प्यूटराईज नेत्र जांच)
BROTERS OPTICALS
You see We care
Pratap Singh, Mo. - 9589876064, 9589666143
Infront of Shubham Medical, Krishna Talkies Road, Risali, Bhilai, Email : brothersopticals1@gmail.com

Authorised For :
SOMANY
Wall & Floor Tiles
JOHNSON Not just tiles, Lifestyles.
orientbell tiles
All Size of Tiles, Granite and Sanitaries
SHRI BALAJI TILES
Krishna Talkies Road, SBI Building, Opp. Church, Risali, Bhilai-490006 Distt.-Durg (C.G.), Mo.-9518326808
E-mail:- balajitilescg@gmail.com

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री एवं छत्तीसगढ़ राज्य निर्माता, अटल बिहारी वाजपेयी की मनाई पुण्यतिथि

दुर्ग। भारतीय जनता पार्टी दुर्ग जिला ने भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री एवम छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता श्रध्देय अटल बिहारी वाजपेयी के पुण्यतिथि पर भाजपा कार्यालय में उनके तैल चित्र पर माल्यापर्ण व श्रद्धा सुमन अर्पित किया। भाजपा जिलाध्यक्ष जीतेन्द्र वर्मा ने अपने सम्बोधन करते हुए अंधेरा छटेगा सूरज निकलेगा कमल खिलेगा अटल बिहारी वाजपेयी को याद करते हुए नमन किया। प्रमुख रूप से पूर्व केबिनेट मंत्री रमशीला साहू, पूर्व विधायक डोमनलाल कोसवाड़े, सांवलाराम डाहरे, पूर्व महापौर चंद्रिका चन्द्राकर, भाजपा जिला महामंत्री ललित चंद्राकर, नटवर ताम्रकार, कांतिलाल बोथरा, शिव चन्द्राकर, जिला उपाध्यक्ष संतोष सोनी, कांतिलाल जैन, जिला मंत्री दिनेश देवांगन, मनोज मिश्रा, जिला पंचायत सदस्य माया बेलचंदन, प्रीतपाल बेलचंदन, मनोज अग्रवाल, अनूप गटागट, अजय तिवारी, मनोज शर्मा, नितेश साहू, सतविंदर सिंग, तेखन सिन्हा, गौरव शर्मा, केवल देवांगन, अमित पटेल, गायत्री वर्मा, संजय बोहरा, फत्तेलाल वर्मा, सोनू राजपूत, प्रवीण यदु, बंटी चौहान, मदन बढ़ई, मुकेश बेलचंदन, केवल देवांगन,बंटी देशमुख, चंद्रकांत साहू, योगेश ठाकुर, हिमांशु सिंह, पूनम सपहा, गुलशन दिल्लीवार, शिवेंद्र देशलहरा, त्रिलोक साहू, ईश्वर देवांगन, नीलेश सिन्हा, नीलेश अग्रवाल, पुरान देशमुख बड़ी संख्या में भजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संस्कार महिला क्लब ने फहराया तिरंगा

दुर्ग। आजादी के 75 वें अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में बोरसी कॉलोनी के प्रगति मैदान ट्राएंगल में संस्कार क्लब बोरसी की अध्यक्षा बानी सोनी ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से सर्जना झा, सुदेशना भट्टाचार्य, सपना सारस्वत, संगीता गौर, मिनोती बेहरा, दीप्ती देवांगन, मीना चेलक, माया शर्मा, रीता वर्मा, प्रिया सिंह, शैला साहू, भारती खंडेलवाल, भावना दिवाकर, नन्दनवार दीदी, अनामिका ठाकुर, सुनीता सिंह, अजीता प्रमोद, रूबी दास एवं अमृता सोनी आदि महिला सदस्य उपस्थित थे। ध्वजारोहण के पश्चात प्रगति मैदान बोरसी के मंच पर गीत एवं कविता पठन का कार्यक्रम भी रखा गया जिसमें सुदेशना भट्टाचार्य, सोनाली सात्रा, सपना सारस्वत, प्रीति दुबे, तपन भट्टाचार्य, शुभम दीक्षित, नीरज खरिया, आदि ने अपनी प्रस्तुति दी।

बाढ़ में पेयजल व्यवस्था प्रभावित न हो इसलिए लगाई गई शिवनाथ नदी पंप हाउस में कर्मचारियों की ड्यूटी

शिवनाथ का जलस्तर बढ़ा, विधायक-महापौर ने लिया जायजा, अफसरों को दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा अंतर्गत शिवनाथ नदी में बढ़ आ गई। मोगरा, तांदुला और खरखरा जलाशय से 70 हजार क्यूसेक पानी छोड़ने के कारण गंजपारा व महमरा मार्ग पंचवटी मांगलिक भवन तक पानी भर गया। एनिकट रोड के दोनों ओर खेत में चार से पांच फीट तक पानी भर गया है। प्रशासन द्वारा राजनांदगांव मार्ग,शिवनाथ नदी महमरा रोड पर आवाजाही रोक दी है।

विधायक अरुण वोरा एवं महापौर धीरज बाकलीवाल ने जलकार्य विभाग संजय कोहले,पार्षद मनीष साहू,कमल देवांगन, राजेश शर्मा,कुलेश्वर साहू व निगम के सहायक अभियंता आर.के. जैन,जलकार्य निरीक्षक नारायण सिंह ठाकुर के साथ शिवनाथ नदी गंजपारा महमरा रोड पंचवटी तक बाढ़ के हालात का जायजा लिया। शिवनाथ नदी इंटक वेल में लगातार जलस्तर बढ़ रहा है,जलसंसाधन विभाग द्वारा बांध से भारी मात्रा में पानी छोड़ा गया है,जिसके कारण जलस्तर बढ़ रहा है।

इसको ध्यान में रखते हुए दुर्ग शहर में लगातार जलप्रदाय शहर क्षेत्र में किया जा रहा है,दोनों पाली में नगर पालिक निगम महापौर धीरज बाकलीवाल के निर्देश पर जलकार्य विभाग से तीन कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है,कर्मचारियों के माध्यम से शहर की जनता को जलप्रदाय निरन्तर उपलब्ध हो। पानी की समस्या न हो।

स्तिथि को देखते हुए किसी भी प्रकार का जलप्रदाय में बाधा न हो 4 दिनों के लिए शहर में जलप्रदाय सामान्य हो इसके लिए शिवनाथ नदी पंप हाउस में पंप चालू करने के लिए तीन कर्मचारियों को तैनात किया गया। उनके खाने पीने,दवाई सहित अन्य व्यवस्था की गई है।

जलप्रदाय में बाधा न हो कंट्रोल रूम को नियंत्रण में रखा गया है। महापौर धीरज बाकलीवाल ने जलकार्य अधिकारी व कर्मचारियों को 24 घण्टे अलर्ट रहने को कहा गया है। जलकार्य प्रभारी संजय कोहले सहित इस कार्य के लिए लगातर क्षेत्र के आस पास के पार्षदों द्वारा सहयोग किया जा रहा है।

जिला पंचायत अध्यक्ष शालिनि रिवेंद्र यादव ने बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र का लिया जायजा

आज़ादी के अमृत महोत्सव 15 अगस्त के पूर्व से हो रही लगातार बारिश से नदीं नालो के उफान से दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में निर्मित हुए बाढ़ की स्थिति को ध्यान रखते हुए दिल्ली प्रवास में होने से मंत्री ताम्रध्वज साहू ने दूरभाष से हालचाल जाना और जिला पंचायत अध्यक्ष शालिनि रिवेंद्र यादव को प्रभावित गांव में जाकर जानकारी लेने व मदद के लिए यथोचित व्यवस्था की बात कही है। जिला के शिवनाथ नदी के सीमावर्ती क्षेत्रों जो दुर्ग ग्रामीण विधानसभा के अंतर्गत आने वाले बेलौदी, मालूद, कोटनी, पीपरछेड़ी, महमरा, बिरेझर, चंगोरी, रुदा, खांडा, भोथली, तिरगा, झोला, आलबर्स, भरदा, पिसेगाव, चिंगरी आदि ग्रामो में पिछले पखवाड़े में तीन तीन बार बाढ़ का सामना करना पड़ रहा है। करीब करीब सभी गांव के निचले हिस्से में जलभराव के कारण फसल तो डुबा हुआ है और कई मकानो में पानी भर गया है जिससे नुकसान पहुंचने की संभावना बनी हुई है।

फाइलेरिया और कृमि से मुक्ति के लिए जिले में 16 लाख लोगों को पिलाई जाएगी दवा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। फाइलेरिया और कृमि से मुक्ति के लिए जिले में 22 से 28 अगस्त तक सामुहिक दवा सेवन कराया जाएगा। इस पूरे कार्यक्रम की सार्थकता के लिए स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों के साथ ही आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व मितानिन को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

फाइलेरिया और कृमि से मुक्ति हेतु आयोजित कार्यक्रम की सुनियोजित व्यवस्था के लिए जिला पंचायत के सभागृह में सर्वसमाज की बैठक आयोजित की गई जिसमें कई निर्णय लिए गए हैं। बैठक में जिला मलेरिया अधिकारी डॉ.सीबीएस बंजारे ने बताया कि फाइलेरिया मच्छर के काटने से होने वाली बीमारी है। यह रोग मादा क्यूलेक्स मच्छर के काटने से होता है। इसका प्रमुख लक्षण अंडकोष में वृद्धि, हाथी पांव एवं स्त्रियों में स्तन पर प्रभाव है। यह बीमारी लाइलाज है एवं सावधानी के साथ बचाव ही इसका एकमात्र साधन है। इसे गंभीरता से लेते हुए फाइलेरिया और कृमि से बचाव के लिए जिले में 22 अगस्त से 28 अगस्त तक सामूहिक दवा सेवन का कार्यक्रम किया जाएगा। फाइलेरिया और कृमि से मुक्ति हेतु स्वास्थ्य विभाग के द्वारा 4,000 से अधिक अधिकारी व कर्मचारियों के माध्यम से जिले में लगभग 16 लाख लोगों को सामूहिक दवा सेवन कराने की तैयारी की जा रही है। फायलेरिया एवं कृमि मुक्ति कि दवा समाज के प्रत्येक व्यक्तियों को खिलाया जाना है। सामूहिक दवा सेवन कार्यक्रम के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को डीईसी एवं एल्बेंडाजॉल की गोली खिलाई जाएगी। बैठक सभी समाज के प्रमुख और तृतीय लिंग समुदाय के सदस्य के साथ जिले के प्रमुख व गैर शासकीय संस्थाओं के प्रमुख लोग उपस्थित हुए।

कृमि मुक्ति दवा के फायदे

कृमि की दवा खिलाने पर बच्चों में खून की कमी व कुपोषण दूर किया जा सकता है। मानसिक एवं बौद्धिक विकास, औसत आयु में बढ़ोतरी तथा स्कूल, आंगनवाड़ी में बच्चों के पढ़ने की रुचि बढ़ाने में कृमि की दवा काफी सहायक होती है। कृमि मुक्ति हेतु बच्चों को एल्बेंडाजॉल टेबलेट खिलाने से समुदाय से कृमि के स्तर में कमी लाई जा सकती है।

नेशनल हाईवे सहित अंदरुनी क्षेत्रों से भी पकड़े जा रहे आवारा पशु

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत नेशनल हाईवे से लेकर अंदरूनी क्षेत्रों में भी रोका छेका अभियान के तहत आवारा पशुओं को पकड़ने की कार्यवाही लगातार जारी है। अब तक 395 नग आवारा पशुओं को 1.5 महीने में पकड़ा जा चुका है। ऐसे मवेशियों को पकड़कर कोसानगर गौठान में रखा जा रहा है। निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर के निर्देश पर निगम की विशेष टीम आवारा मवेशियों को पकड़ने के लिए बनाई गई है। अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी नोडल अधिकारी के निर्देश पर लगातार आवारा पशुओं को पकड़ने के लिए टीम कॉउ केचर लेकर सड़कों पर दल बल के साथ निकल रही है। आज टाउनशिप क्षेत्र में भी पशुओं को पकड़ने का अभियान चलाया गया। साथ ही गदा चौक, अवंती बाई चौक, कुरूद रोड, गौशाला, आकाशगंगा, शांति नगर, वैशाली नगर, पावर हाउस फल मंडी आदि स्थानों से भी आवारा पशुओं को पकड़ने की कार्रवाई की गई। टोल फ्री नंबर 1100 में भी संपर्क करके आवारा पशुओं को हटाने की कार्यवाही सालभर की जाती रही है।

विषयवार और अनुपात पर आधारित शिक्षक की उपलब्धता पर आया आवेदन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। 138 बच्चों के स्कूल में 02 शिक्षकों पर शिक्षा की पूरी जिम्मेदारी, इसका हल खोजने के लिए आज शाला प्रबंधक अध्यक्ष जनदर्शन पहुंचे थे। यह आवेदन शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सिलतरा का था, जहां विद्यार्थियों के अनुपात के अनुरूप व विषयवार शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं। शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष ने अपने आवेदन के माध्यम से बताया है कि इस विद्यालय में गणित का कोई भी शिक्षक पिछले 07 वर्षों से उपलब्ध नहीं है। जिसकी उन्होंने पूर्व में भी विकासखंड शिक्षा अधिकारी को आवेदन देकर सूचना दी थी। इस आवेदन पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी द्वारा शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला नवागांव से गणित का शिक्षक उपलब्ध कराने के लिए आदेश भी पारित किया गया था परंतु वर्तमान तक कोई व्यवस्था स्कूल के बच्चों के हित के लिए नहीं हो पाई है। कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने आवेदन पर संज्ञान लेते हुए तुरंत इसे जिला शिक्षा अधिकारी की ओर प्रेषित किया। उन्होंने संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया कि बच्चों के बहुमुखी विकास के लिए सभी विषयों का अहम योगदान होता है। इसलिए माध्यमिक शाला सिलतरा में शीघ्र से शीघ्र विद्यार्थियों के अनुपात में सभी विषयों में शिक्षक की व्यवस्था कराई जाए।

निजी स्कलों की मनमानियों को लेकर भी जनदर्शन में एक आवेदन पहुंचा था, जिसमें स्काई इंटरनेशनल स्कूल धमधा लगातार एक आवेदक को स्थानांतरण प्रमाण पत्र के लिए भटका रहा है। आवेदक के कथनानुसार उनका बच्चा स्काई स्कूल में अध्यन कर रहा था और इस वर्ष उनके द्वारा स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल में प्रवेश के लिए आवेदन दिया गया था। जिसमें चयन सूची में उनके बच्चे का नाम आ गया, परंतु स्कूल द्वारा स्थानांतरण प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं कराए जाने के चलते उनके बच्चे का प्रवेश नहीं हो पा रहा है। उन्होंने आगे बताया कि उनके द्वारा 86 हजार 670 रूपए की राशि स्कूल में जमा कर दी गई है।

शिवनाथ नदी :बाढ़ से प्रभावित परिवारों से आयुक्त ने की मुलाकात

लगभग 13 परिवारों के 45 से अधिक लोगों के लिए खाने पीने व दवाई सहित की ठहरने की भी व्यवस्था

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम देर रात शिवनाथ नदी का जलस्तर बढ़ने के बाद आज दुर्ग शहर में बाढ़ का पानी भरने लगा। गंजपारा में पुलगांव नाला ब्रिज तक पानी भर गया। आयुक्त प्रकाश सर्वे ने भवन अधिकारी गिरीश दीवान,जावेद अली,उपअभियंता विनोद मांझी,पार्षद श्रीमती हेमेश्वरी निषाद सहित अन्य अधिकारी व टीम के साथ यहाँ पहुँचकर प्रभावित परिवारों से मुलाकात उनकी समस्यो को सुना। आयुक्त ने लोगो से सावधानी बरतने एवं जलस्तर बढ़ने पर सुरक्षित जगहों पर जाने को कहा गया।

आयुक्त प्रकाश सर्वे के निर्देश पर वार्ड 55 नदी के पास ठाकुर होटल के पीछे स्थित रहने वाले 13 मकान प्रभावित होने के कारण 45 से अधिक लोगो को शिव मंदिर के पास भवन में ठहराया गया।नगर निगम द्वारा प्रभावित परिवारों को भोजन,दवाई सहित अन्य सामग्री की व्यवस्था की जा रही है। निगम द्वारा यहाँ भोजन पैकेट वितरित किया गया ।आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रभावित परिवारों के लिए रात का भोजन जल्द पहुचाये,उन्होंने बढते जलस्तर के लिए लोगो को मना किया बेरिकेडिंग क्रांस कर सेल्फी पिक्चर लेने का शौक न पालें। शिवनाथ नदी महमरा एनीकट के ऊपर 14 फीट पानी हो गया है। शिवनाथ मुक्तिधाम की ओर जाने वाले मार्ग के दोनों ओर खेत पर करीब तीन से चार फीट तक पानी आगे की ओर बह रहा है।जिला प्रशासन द्वारा दुर्ग से पुलगांव होते हुए राजनांदगांव की ओर जाने वाले मार्ग पर आवागमन पूरी तरह रोक दिया गया है।आयुक्त प्रकाश सर्वे ने आपदा प्रबंधन को 24 घण्टे अलर्ट रहने को कहा गया।

आज़ादी के अमृत महोत्सव के तहत बीएसपी में स्वतंत्रता दिवस समारोह धूमधाम से मनाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर इस्पात भवन में मुख्य ध्वजारोहण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संयंत्र के निदेशक प्रभारी श्री अनिर्बान दासगुप्ता ने इस्पात भवन में प्रातः 9.00 बजे ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री दासगुप्ता ने केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल द्वारा प्रदत्त गार्ड ऑफऑनर का निरीक्षण किया। इस अवसर पर रंग-बिरंगे गुब्बारे छोड़े गए।

संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने उपस्थित जनों को सम्बोधित करते हुए अपने स्वतंत्रता दिवस संदेश में कहा कि सम्पूर्ण राष्ट्र आज, आज़ादी के गौरवशाली 75 वर्ष के रूप में आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। बीएसपी ने भी आज़ादी का अमृत महोत्सव तथा हर घर तिरंगा अभियान में निरन्तर भागीदारी दी है।

आज पूरे देश के साथ भिलाई में भी हर घर में तिरंगा लहरा रहा है। आज स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर मैं आप सब को और आपके परिजनों को हार्दिक बधाई देता हूँ। इस तिरंगे के साथ मैं उन असंख्य स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, नायकों तथा देश की आजादी में अपने प्राणों की आहुति देने वाले बलिदानियों को श्रद्धासुमन अर्पित करता हूँ, जिनकी बदौलत आज सवा सौ करोड़ देशवासी, स्वतंत्र नागरिक के रूप में साँस ले रहे हैं।

अपने उद्बोधन में श्री अनिर्बान दासगुप्ता ने आगे कहा कि भिलाई इस्पात संयंत्र हमारे देश के मेक इन इण्डिया तथा आत्मनिर्भर भारत में अपने उत्कृष्ट योगदान दे रहा है। हमें गर्व है कि देश में प्रतिदिन रेल पर यात्रा करने वाले लाखों भारतीय, भिलाई में बनी रेलपांतों पर सुरक्षित यात्रा कर रहे हैं। राष्ट्र की समुद्री सीमाओं की रक्षा में तैनात युद्धपोतों के निर्माण से लेकर राष्ट्र के अधोसंरचना विकास की परियोजनाओं हेतु भिलाई ने श्रेष्ठ इस्पात की आपूर्ति को सुनिश्चित किया है। बीएसपी शिक्षा विभाग के 13 स्कूलों ने स्वतंत्रता के विभिन्न आयामों व इतिहास को प्रदर्शित करने वाले जीवंत झांकियों का प्रदर्शन किया। संयंत्र के निदेशक प्रभारी श्री अनिर्बान दासगुप्ता तथा उपस्थित उच्च अधिकारीगण तथा दर्शकों ने इन झांकियों की दिल खोलकर प्रशंसा की।

संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता तथा उपस्थित कार्यपालक निदेशकगण व गणमान्य अतिथियों ने सीआईएसएफके कमांडेंट श्री एस के बाजपेयी को प्रेसीडेंट मेडल फॉर मेरीटोरियस सर्विस प्रदान किये जाने एवं संयंत्रकर्मी श्रीमती सविता धापवाल को फिट्स50+ महिला ट्रांस हिमालयन अभियान को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के लिए विशेष तौर पर बधाई दी गई। इसके अतिरिक्त मुख्य चिकित्सालय सेक्टर-9 में भिलाई महिला समाज की अध्यक्ष श्रीमती त्रिपर्णा दासगुप्ता द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर भिलाई महिला समाज की अध्यक्ष श्रीमती त्रिपर्णा दासगुप्ता सहित अन्य पदाधिकारियों व सदस्यों ने वृक्षारोपण भी किया। साथ ही कोविड के दौरान सेवा देने वाले चिकित्सकों तथा पैरा-मेडिकल स्टाफ व अन्य कार्मिकों का सम्मान भी किया गया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950